राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 344 , पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार , 24 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

पीएम के साथ सर्वदलीय बैठक आज, जम्मू- कश्मीर के नेता पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर जम्मू-कश्मीर को लेकर सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और प्रदेश भाजपा के तीनों नेता बुधवार को दिल्ली पहुंच गए। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचेंगे। नेकां व पीडीपी समेत अधिकांश दलों ने साफ कर दिया है कि वह जम्मू-कश्मीर से जुड़े अपने पुराने एजेंडे पर ही बात करेंगे। पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष प्रो. भीम सिंह, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन सैयद अल्ताफ बुखारी और पीपुल्स कांफ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन, मुजफ्फर हुसैन बेग पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ गुरुवार (24 जून) को वार्ता होनी है। उधर, आर्तकियों की हरकतों को देखते हुए सुरक्षा बलों के लिए जम्मू कश्मीर में 48 घंटे का हाई अलर्ट का एलान किया गया है। 24 को इंटरनेट सेवा को सस्पेंड किया जा सकता है।

अहम मानी जा रही बैठक- उल्लेखनीय है पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम लागू किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए पहली बार केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों के 14 नेताओं की बैठक बुलाई है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। इसमें हिस्सा लेने के लिए महबूबा बुधवार दोपहर को दिल्ली के लिए रवाना हुई।

पीडीपी और गुपकार के एजेंडे पर बात करेंगे महबूबा- पीडीपी के वरिष्ठ नेता सैयद ताहिर ने कहा कि महबूबा बैठक में पांच अगस्त, 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति की बहाली, राजनीतिक कैदियों की रिहाई का मुद्दा उठाएंगी। जम्मू-कश्मीर में अगर स्थायी शांति बहाली करनी है तो संबंधित सभी पक्षों से बातचीत जरूरी है और यही बात वह बैठक में करेंगी। वह पीडीपी और पीपुल्स एलायंस फार गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) के एजेंडे पर बात करेंगी।

डा. फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में जम्मू संभाग के नेता भी शामिल हुए। पूर्व एमएलसी एवं जम्मू संभाग के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा ने कहा कि डा. अब्दुल्ला बैठक में जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के लोगों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे।

महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश में बढ़ा कोरोना का खतरा

भारत में 'डेल्टा प्लस' स्वरूप के करीब 40 मामले आए सामने

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश में 'डेल्टा प्लस' स्वरूप (वेरिएंट) के लगभग 40 मामले सामने आए हैं। इसे 'चिंताजनक स्वरूप' (वीओसी) के रूप में वर्गीकृत किया है। मंत्रालय ने बताया कि डेल्टा के अलावा डेल्टा प्लस समेत डेल्टा के सभी उप-वंशों को वीओसी की श्रेणी में रखा है।

- 45 हजार नमूनों की जांच में डेल्टा प्लस के 40 केस मिले
- इन तीन राज्यों को सतर्कता बढ़ाने की सलाह
- वायरस के नए स्वरूपों तथा महामारी के साथ उनके संबंधों का पता लगा

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत में अब तक 45,000 से अधिक नमूनों के अनुक्रमण के बाद डेल्टा प्लस स्वरूप (एवाई.1) के करीब 40 मामले महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं सामने आए हैं और इसकी मौजूदगी में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं देखी गई है। इन तीन राज्यों को सतर्कता बढ़ाने और जन स्वास्थ्य संबंधी उचित कदम उठाने की सलाह दी गई है।

'पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड' (पीएचई) ने 11 जून को एवाई.1 संबंधी रिपोर्ट दी थी, जिसके बाद नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि इस स्वरूप के संक्रमण का पहला मामला महाराष्ट्र से एकत्र किए गए नमूने में मिला। यह नमूना पांच अप्रैल को एकत्र किया गया था। बयान में बताया गया कि 18 जून तक, दुनिया भर में एआई.1 स्वरूप के 205 अनुक्रमों का पता चला, जिनमें से 50 फीसद मामलों का पता अमेरिका और ब्रिटेन में चला। 'इंडियन सार्स कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम' (आईएनएसएसीओजी) ने हाल में वायरस के इस स्वरूप (डेल्टा, बी.1.617.2) की पहचान की थी। यह स्वरूप दुनिया के नौ अन्य देशों में भी पाया गया है। आईएनएसएसीओजी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं का एक समूह है जिसे केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने गठित किया है।

भारत में अब तक 29 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए

एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर भारत में कोविड-19 का कुल टीकाकरण कवरेज 29 करोड़ का आंकड़ा पार कर गया है। बुधवार शाम सात बजे तक को टीके की 53.4 लाख से अधिक खुराक दी गईं। 18-44 वर्ष की आयु वर्ग में मंगलवार को टीके की 32,81,562 से अधिक खुराक पहली खुराक के रूप में और 71,655 दूसरी खुराक के रूप में दी गई। टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत में कुल मिलाकर, 37 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस आयु वर्ग के 6,55,38,687 से अधिक लोगों ने अपनी पहली खुराक प्राप्त की है।

मप्र के उज्जैन में पहली मौत डेल्टा प्लस से

भोपाल, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के कमजोर पड़ने के बाद अब इसके डेल्टा प्लस वैरिएंट का खतरा बढ़ता जा रहा है। उज्जैन में इस वैरिएंट से पहली मौत की पुष्टि हुई है। प्रदेश में अब तक इसके पांच केस सामने आ चुके हैं।

चार मरीज ठीक हो चुके हैं

राज्य सरकार की ओर से जानकारी दी गई कि मप्र में कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट के पांच में से चार मरीज कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं और घर पर हैं। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि डेल्टा प्लस वैरिएंट के पांच मामले सामने आए हैं। इसको लेकर राज्य स्तर पर समीक्षा की जाएगी। प्रदेश में डेल्टा प्लस से एक मौत हुई है।

इसमें यह बात सामने आई है कि जिन्हें कोरोना वैक्सीन लग चुकी थी, वो डेल्टा प्लस को भी हराने में कामयाब हुए। सारंग ने कहा कि डेल्टा प्लस वैरिएंट से उज्जैन में एक मरीज की मौत हुई, उनको कोरोना की वैक्सीन नहीं लगी थी। बाकी चार मरीजों को पहले टीके लग चुके थे और अब वे स्वस्थ हैं। उज्जैन के कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश में डेल्टा प्लस के पांच मामले सामने आए हैं। इसमें भोपाल में तीन और उज्जैन में दो मामले हैं।

- शिवपुरी में चार कोरोना संक्रमितों की मृत्यु कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के कारण हुई है ना कि डेल्टा प्लस वैरिएंट से । यह जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अर्जुन लाल शर्मा ने दी। उन्होंने साफ किया कि यह वायरस' डेल्टा प्लस वेरिएंट 'नहीं है।

एक नज़र...

अगले पांच महीने गरीबों को मुफ्त खाद्यान्न

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के संकट के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को एक बड़ा फैसला लिया। देश में आम जन कोरोना वायरस और बढ़ती महंगाई के कारण बहुत परेशान है, ऐसे में मोदी सरकार ने लोगों की मुश्किलों को थोड़ा कम करते हुए एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के चौथे चरण के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थियों को जुलाई से लेकर नवंबर 2021 तक पांच महीने की और अवधि के लिए मुफ्त खाद्यान्न आवंटन को बुधवार को मंजूरी प्रदान कर दी।

गुजरात की अदालत में राहुल आज होंगे पेश

नई दिल्ली, (एजेंसी) लोकसभा सांसद राहुल गांधी आपराधिक मानहानि के एक मामले में गुरुवार को गुजरात के सूरत शहर की एक कोर्ट में पेश होंगे। यह मामला सूरत के स्थानीय भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने दायर किया था। आरोप है कि 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान गांधी ने कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली में पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और भगोड़ व्यवसायी नीरव मोदी, आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना करते हुए कहा था कि 'सभी मोदी चोर हैं'। ऐसा कर उन्होंने मोदी समुदाय की भावना को आहत किया और मानहानि की थी।

एफआईआर पर रोक के लिए बाबा की अर्जी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बाबा रामदेव ने कोविड मरीजों के इलाज में एलोपैथिक दवा के इस्तेमाल के खिलाफ अपनी टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दर्ज कई एफआईआर पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। दरअसल, एलोपैथी चिकित्सा और डॉक्टरों को लेकर उनकी ओर से दिए गए विवादित बयानों को लेकर कुछ दिनों में योगगुरु के खिलाफ कई केस दायर किए गए हैं। याचिका में रामदेव ने पटना व रायपुर में आईएमए द्वारा दर्ज प्राथमिकी को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की।

घोटाले के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक

नैनीताल, (एजेंसी)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार कुम्भ के दौरान कोविड जांच में धोखाधड़ी करने के आरोपी मैक्स कॉरपोरेट सर्विसेज ने पुलिस एफआईआर की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय का निर्णय अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य के आधार पर उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए जांच में सहयोग करने को कहा है। साथ में कोर्ट ने उनसे 25 जून को जांच अधिकारी के सम्मुख पेश होने को भी कहा है।

माल्या, नीरव, चोकसी से बड़ी संपत्ति जब्त: ईडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बैंकों से भारी भरकम कर्ज लेकर विदेश भागने वाले कारोबारियों पर शिकंजा अब और सख्त होगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को इस मामले में बड़ा फैसला लिया है।

इसके तहत सरकारी एजेंसी विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी की जब्त संपत्तियों को केंद्र व सरकारी बैंकों को सौंपेगी। ईडी द्वारा जब्त संपत्ति करीब 18,170.02 करोड़ रुपए की है, जो बैंकों की कुल हानि का लगभग 80.45 फीसदी है। एजेंसी ने कहा कि इसमें से 9,371.17 करोड़ रुपए के असेट्स को वह सरकार और पब्लिक सेक्टर के बैंकों को देगी। सोशल मीडिया पोस्ट में प्रवर्तन निदेशालय ने लिखा कि भगोड़े कारोबारियों की इन संपत्तियों को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत जब्त किया गया था। ईडी के मुताबिक तीनों कारोबारियों से सरकारी बैंकों को 22,585.83 करोड़ का घाटा हुआ है।

यूके की कोर्ट से नीरव को झटका

लंदन, (एजेंसी) पीएनबी घोटाले के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटेन की एक अदालत से झटका लगा है। ब्रिटेन हाईकोर्ट ने बुधवार को नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील करने के आवेदन को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही वह भारत को प्रत्यर्पण के खिलाफ अपनी अपील के पहले चरण में हार गया है।

पांच अतिरिक्त जज नियुक्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बॉम्बे उच्च न्यायालय में चार और केरल उच्च न्यायालय में एक अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संविधान के अनुच्छेद 224 के उपबंध 1 के तहत प्रदत्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए बॉम्बे उच्च न्यायालय में चार अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किए हैं, जिनमें श्री राजेश नारायण दास लड्ढा, संजय गणपत राव मेहरे, गोविंद आनंद सनप और शिवकुमार गणपतराव डिगे। इन सबकी नियुक्ति वरीयता क्रम में दो वर्ष के लिए होगी। श्री कोविंद ने न्यायिक अधिकारी अब्दुल रहीम मुसलियार बदरुद्दीन को दो वर्ष के लिए केरल उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है।

एलएसी पर चीन की सीनाजोरी, बड़ी संख्या में चीनी सैनिकों का जमावड़ा

नई दिल्ली। चीन की हठधर्मिता से भारत व चीन के बीच रिश्तों में नए सिरे से तनाव फैलने लगा है। पिछले वर्ष विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग ई के बीच बैठक में पूर्वी लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर फैले तनाव को दूर करने के लिए जो सहमति बनी थी अब वह उसे मानने से इनकार कर रहा है। यही नहीं चीन सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिक तैनात नहीं करने के लिखित वादे का भी पालन नहीं कर रहा।

नए सिरे से की सैनिकों की तैनाती

एलएसी के कई क्षेत्रों में चीन ने नए सिरे से सैनिकों की तैनाती भी कर दी है और उल्टे मौजूदा तनाव के लिए भारत पर ही दोषारोपण करने लगा है। ऐसे में विवाद निपटाने के लिए जल्द ही दोनो देशों के विदेश मंत्रालयों के अगुआई में होने वाली बैठक को लेकर कोई उम्मीद नजर नहीं आती है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने भी चीन के रवैये को लेकर निराशा जताई है और चीन को याद दिलाया है कि वह लिखित वादे पर अमल करे।

एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीन की तरफ से लद्दाख स्थित एलएसी पर बड़े पैमाने पर चीनी सैनिकों की तैनाती हुई है। जबकि दोनों देशों के बीच यह समझौता हुआ है कि वे सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती नहीं करेंगे। जयशंकर ने मौजूदा स्थिति को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा है कि सवाल यह है कि दोनों देश आपसी सामंजस्य व परस्पर सहयोग के आधार पर रिश्ते बना सकते हैं या नहीं।

यूनिटेक मामले में हेलिकॉप्टर समेत 81 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने यूनिटेक समूह के खिलाफ की जा रही जांच के संबंध में 101 भूमि पार्सल और 81.10 करोड़ रुपए का एक हेलीकॉप्टर कुर्क की है। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि वित्तीय जांच एजेंसी ने मुंबई के सांताक्रूज स्थित शिवालिक समूह की संपत्ति कुर्क की है। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर का स्वामित्व शिवालिक समूह की सहयोगी कंपनी किंग रोटर्स एयर चार्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है।

महिलाएं अब रात के समय भी काम कर सकतीं हैं: श्रम मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री संतोष गंगवार ने कहा है कि भारत श्रमशक्ति भागीदारी में लैंगिक अंतर कम करने के लिए सामूहिक प्रयास कर रहा है।

महिलाएं अब रात के समय भी काम कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि देश शिक्षा, प्रशिक्षण, कुशलता, उद्यमिता विकास और समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित कर रहा है। गंगवार यहां बुधवार को जी-20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में घोषणा और कार्य समूह प्राथमिकताओं पर मंत्रिस्तरीय संबोधन कर रहे थे।मंत्री ने कहा कि मजदूरी पर नई संहिता, 2019 से मजदूरी, भर्ती और रोजगार की शर्तों में लिंग आधारित भेदभाव कम होगा। सभी प्रतिष्ठानों में सभी प्रकार के कार्य के लिए महिलाएं हकदार हैं। महिलाएं अब रात के समय भी काम कर सकती हैं। गंगवार ने बताया कि सवैतनिक मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई है।

सीसीआई के नोटिस पर रोक लगाने से इंकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने व्हाट्सएप की ई निजता नीति की जांच के सिलसिले में फेसबुक और मैसेजिंग एप से कुछ सूचना मांगने वाले भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

हाईकोर्ट ने एफबी, व्हाट्सएप की अर्जी खारिज की

अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि जांच में और कदम उठाने पर रोक लगाने का अनुरोध करने वाली एक अर्जी पहले ही दायर की जा चुकी है जिसमें सीसीआई के महानिदेशक को नोटिस जारी किया जा चुका है। खंडपीठ ने छह मई को इस पर कोई अंतरिम राहत नहीं दी थी। यह मामला सुनवाई के लिए नौ जुलाई को सूचीबद्ध है। पीठ ने 21 जून को दिए आदेश में कहा कि हमने यह भी पाया कि पहले दायर अर्जी और मौजूदा अर्जी में एक जैसी बातें कही गई है। पहले की वजहों के चलते हम इस वक्त आठ जून के नोटिस पर रोक लगाना उचित नहीं समझते।

चंद्रयान के उपकरण ने दिए विशिष्ट वैज्ञानिक नतीजे: इसरो

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चंद्रयान-2 मिशन पर लगे एक उपकरण ने सौर कोरोना, हेलियोफिजिक्स पर विशिष्ट वैज्ञानिक नतीजे उपलब्ध कराए हैं। इसरो ने यह जानकारी दी है। कोरोना सूर्य का बाहरी वातावरण होता है। यह सूर्य की दिखने वाली सतह के ऊपर कई हजार किलोमीटर तक फैली हुई है जो धीरे-धीरे हमारे सौर मंडल से बाहर की ओर बहने वाली सौर पवन में परिवर्तित हो जाती है।

सौर कोरोना व हेलियोफिजिक्स पर नया खुलासा

हेलियोफिजिक्स सूर्य और सौर मंडल के बीच भौतिक संबंधों का विज्ञान है। बेंगलुरु में स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि उसे ऊर्जा और सूर्य के अन्य विभिन्न आयामों की अच्छी समझ है लेकिन कई संभवतः अहम घटनाएं अब भी एक रहस्य है। इनमें से कुछ रहस्य सूर्य के गर्म बाहरी वातावरण से संबंधित हैं जिसे कोरोना के तौर पर जाना जाता है जो विद्युत चुम्बकीय वर्णक्रम के पराबैगनी और एक्स-रे तरंगदैर्घ्यों में उत्सर्जन करती है। यह ज्ञात है कि कोरोना में एक मिलियन केल्विन से अत्यधिक तापमान में आयनित गैस होती है जो सूर्य की दिखने वाली सतह के तापमान से कहीं अधिक है।

ड्रग्स सप्लाई मामले में दाऊद का भाई इकबाल गिरफ्तार

मुंबई, (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद के भाई इकबाल कासकर को एनसीबी ने ड्रग्स सप्लाई मामले में हिरासत में लिया है। कुछ दिन पूर्व एनसीबी ने चरस के दो खेप पकड़ी थी, जिसमें 25 किलो चरस पकड़ी थी। जांच में अंडरवर्ल्ड के जुड़ने की आशंका है और इसी वजह से एनसीबी ने दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को गिरफ्तार किया है। इससे पूर्व एनसीबी ने ड्रग तस्कर हरिस खान को गैंगस्टर परवेज खान उर्फ चिंकू पठान से संबंध रखने के कारण गिरफ्तार किया था। चिंकू का दाऊद से नजदीकी संबंध है। कास्कर को चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसे एनसीबी रिमांड पर लेने जल्द ही कोर्ट में पेश करेगी।

मुंबई में भर्ती मरीज की आंख कुतर गया चूहा

मुंबई, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के बीच बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के राजावाड़ी हॉस्पिटल से बेहद डराने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। यहां आईसीयू में वेंटिलेटर पर पड़े मरीज की आंख चूहे ने कुतर डाली थी। बुधवार को उस शख्स ने इलाज के दौरान हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया है। इस घटना की जानकारी सामने आने के बाद मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर ने पूरे मामले की जांच के आदेश के साथ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि यह भी कहा कि बारिश की वजह से चूहे दरवाजे के गैप से अंदर आ जाते हैं।

मरीज की इलाज के दौरान मौत हुई

मरीज को सांस लेने में तकलीफ थी: जानकारी के मुताबिक, कुर्ला के कमानी इलाके में रहने वाले 24 वर्षीय श्रीनिवास यल्लपा को सांसों की तकलीफ के बाद रविवार को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। डॉक्टर्स के मुताबिक, उनके सिर पर बुखार भी चढ़ गया था और किडनी में भी दर्द था। इसे देखते हुए श्रीनिवास को आईसीयू में भर्ती किया गया।

कुतरे जाने के बावजूद बची मरीज की आंख: जब आंख कुतरे जाने के बाद डॉक्टरों ने जांच की तो पाया कि आंख बच गई है। चूहे ने आंख की पलक के नीचे कुतरा था। आंख के अंदर कोई चोट नहीं आई है।

चूहे मिलने पर बीएमसी का तर्क: इस घटना पर बीएमसी की मेयर किशोरी पेडणेकर ने कहा कि अस्पताल का आईसीयू विभाग निचली मंजिल पर होने के बावजूद अस्पताल चारों तरफ से बंद है। बरसात की वजह से शायद दरवाजे के बीच के गैप से शायद चूहा अंदर आ गया हो, लेकिन ऐसी घटनाएं बार-बार ना हो, इसका उपाय जरूर करेंगे। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकाणी ने भी जांच के आदेश दिए हैं।

रिश्तेदारों को ऐसे पता चला

यह घटना मंगलवार सुबह तीन बजे के करीब हुई है। सुबह जब श्रीनिवास के रिश्तेदारों ने उनकी एक आंख से खून बहता हुआ देखा तो तुरंत उन्होंने इस बारे में अस्पताल प्रशासन को बताया। जब आंख की जांच की गई तो चूहे द्वारा आंख कुतरे जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद मरीज के परिजनों ने हॉस्पिटल में हंगामा भी किया था।

दो से छह साल के बच्चों पर कोवैक्सीन का ट्रायल

कानपुर, (एजेंसी)। कानपुर में स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन के पीडियाट्रिक ट्रायल में सबसे कम उम्र दो साल आठ महीने की बच्ची को वैक्सीन लगाई गई।

बुधवार को ट्रायल में दो से छह साल आयु वर्ग के पांच बच्चों का वैक्सीनेशन किया गया। ट्रायल के सबसे छोटे आयु वर्ग के वॉलिंटियर में तीन लड़कियां और दो लड़के शामिल किए गए। ट्रायल के चीफ इन्वेस्टीगेटर पूर्व डीजीएमई डॉ. वीएन त्रिपाठी ने बताया कि दो से छह साल आयु वर्ग के 15 बच्चों को अभी और वैक्सीन लगाई जानी है। जिन्हें वैक्सीन लगी है उनका सेफ्टी प्रोफाइल चेक होगा।

इसमें तीन आयु वर्ग के बच्चों लिया गया। सबसे बड़ा आयु वर्ग 12 से 18 साल, उस छोटा आयु वर्ग छह साल से 12 साल और सबसे छोटा आयु वर्ग दो से छह साल के बच्चों का है। अभी छह से 12 और 12 से 18 साल आयु वर्ग के 15 वॉलिंटियर को वैक्सीन की .5 एमएल की पहली डोज दी जा चुकी है। सबसे छोटे आयु वर्ग में 20 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

राजनीति चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने तीसरी बार की शरद पवार से मुलाकात

दिल्ली में बैठकों का दौर जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सियासी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सुप्रीमो शरद पवार से मुलाकात की। इससे एक दिन पहले आठ विपक्षी दलों के नेता पवार के आवास पर एकत्रित हुए और उन्होंने देश के समक्ष मौजूद कई मुद्दों पर चर्चा की।

सूत्रों ने बताया कि किशोर और पवार के बीच करीब एक घंटे तक बंद कमरे में बातचीत हुई। यह मुलाकात पवार के दिल्ली में स्थित आवास पर हुई। एक पखवाड़े के भीतर यह उनकी तीसरी मुलाकात है। किशोर ने 11 जून को मुंबई में पवार के आवास पर दोपहर के भोजन पर उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने सोमवार को फिर दिल्ली में राकांपा अध्यक्ष से मुलाकात की थी। पवार के साथ इन बैठकों ने विपक्षी दलों के भाजपा के खिलाफ तीसरा मोर्चा बनाने के लिए एक साथ आने की अटकलों को हवा दे दी है। पवार ने मंगलवार को दिल्ली में अपने आवास में आठ विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक की थी।

पीएम की कश्मीर बैठक आज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई आठ राजनीतिक दलों के 14 नेताओं की सर्वदलीय बैठक में डीलिमिटेशन के विषय पर चर्चा हो सकती है। सूत्रों की माने तो इस बैठक में पीएम के अलावा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , जम्मू कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा, एनएसए अजित डोभाल, पीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी पीके मिश्रा, गृहसचिव अजय भल्ला के अलावा कुछ अन्य ऊंच अधिकारी बैठक में शामिल रह सकते हैं। इस बैठक के साथ ही सूबे में डीलिमिटेशन की प्रक्रिया की आरंभ माना जाएगा।

सार समाचार

हांगकांग का लोकतंत्र समर्थक अखबार एप्पल डेली को किया जाएगा बंद

हांगकांग। हांगकांग का लोकतंत्र समर्थक अखबार 'एप्पल डेली' इस सप्ताहांत तक बंद हो जाएगा। अखबार के पांच संपादकों और कार्यकारी अधिकारियों की गिरफ्तारी तथा अखबार से जुड़ी 23 लाख डॉलर की संपत्ति जब्ती के बाद यह फैसला लिया गया है। निदेशक मंडल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि ''हांगकांग में मौजूदा परिस्थितियों'' के कारण उसका प्रिंट संस्करण और ऑनलाइन संस्करण शनिवार तक बंद हो जाएगा। पिछले हफ्ते हुई गिरफ्तारियों के बाद यह कदम उठाया गया है। पांच संपादकों और कार्यकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशियों से मिलीभगत के संदेह में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने हांगकांग तथा चीन पर विदेशी प्रतिबंध लगाने की कथित साजिश के सबूत के तौर पर अखबार द्वारा प्रकाशित 30 से अधिक लेखों का हवाला दिया। निदेशक मंडल ने इस हफ्ते हांगकांग के सुरक्षा ब्यूरो को पत्र लिखकर उसकी कुछ निधि जारी करने का अनुरोध किया था ताकि कंपनी वेतन दे सके। एप्पल डेली के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने आलोचना की और कहा कि हांगकांग तथा चीनी प्राधिकारी शहर की स्वतंत्रता को निशाना बना रहे हैं।

एक रिपोर्ट में खुलासा, म्यांमार सेना के दुष्प्रचार को बढ़ावा देता है फेसबुक!

वाशिंगटन। अधिकार समूह ग्लोबल विटनेस की एक नयी रिपोर्ट के अनुसार फेसबुक सैन्य दुष्प्रचार और अन्य सामग्री को बढ़ावा देता है जो म्यांमार में फरवरी में सेना द्वारा तख्तापलट करने के बाद कंपनी की खुद की नीतियों का उल्लंघन है। मंगलवार को प्रकाशित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमा में सेना के सत्ता पर कब्जा जमाने और निर्वाचित नेताओं को कैद करने के एक महीने बाद भी फेसबुक एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को सैन्य समर्थक पेजों के साथ ही उन पोस्ट्स को देखने और ''लाइक'' करने के लिए बढ़ावा दे रहा था जो हिंसा को भड़काते हैं, भ्रामक सूचना देते हैं, सेना की प्रशंसा करते हैं और उसके अत्याचारों का महिमामंडन करते हैं। फेसबुक एल्गोरिदम पोस्ट के क्रम और प्रस्तुति को नियंत्रित करता है ताकि उपयोगकर्ता यह देख सकें कि उनके लिए सबसे ज्यादा प्रासंगिक क्या है। फेसबुक ने तख्तापलट के बाद यह घोषणा की थी कि वह अपनी साइट और अपने मालिकाना हक वाले इंस्टाग्राम से म्यांमा सेना और सेना द्वारा नियंत्रित पेजों को हटाएगी। इसके बावजूद ऐसा नहीं किया गया। उसने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम ''म्यांमा में स्थिति पर करीबी नजर रख रही है और हमारे नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी पोस्ट, पेज या समूह पर कार्रवाई करती है।'' पूर्व फेसबुक डेटा वैज्ञानिक सोफी झांग ने कहा, ''एक बार फिर फेसबुक ने दिखाया कि वह भारी भरकम घोषणाएं करने में अच्छा और उन्हें असल में लागू करने के मामले में खराब है। उनके पास म्यांमा में अपने काम में सुधार लाने के लिए कई साल थे लेकिन एक बार फिर वे नाकाम हो रहे हैं।'' म्यांमा में जनवरी 2020 में 2.23 करोड़ से अधिक फेसबुक उपयोगकर्ता थे जो उसकी आबादी के 40 प्रतिशत से अधिक संख्या है।

अमेरिका: कोरोना वैक्सीन लगाने से इनकार करने वाले 150 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

डलास (अमेरिका)। अमेरिका में ह्यूस्टन के एक अस्पताल में कोविड-19 रोधी टीके लगवाने से इनकार करने वाले 150 से अधिक कर्मचारियों को या तो प्रशासन ने निकाल दिया या उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। एक न्यायाधीश ने टीके की आवश्यकता पर कर्मचारी की ओर से दायर मुकदमे को खारिज कर दिया था, जिसके बाद ये कदम उठाए गए। 'ह्यूस्टन मेथोडिस्ट' अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि 153 कर्मचारियों ने दो सप्ताह की निलंबन अवधि में या तो इस्तीफा दे दिया या मंगलवार को उन्हें निकाल दिया गया। कोरोनो वायरस के खिलाफ मरीजों और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य देखभाल संस्थान क्याकर सकते हैं, इस संदर्भ में मामले को करीब से देखा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका में इस तरह का यह पहला मामला है, लेकिन इस पर चर्चा अभी समाप्त नहीं हुई है। इस महीने की शुरुआत में, एक संघीय न्यायाधीश ने टीकाकरण की आवश्यकता को लेकर 117 कर्मचारियों की ओर से दायर मुकदमे को खारिज कर दिया था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश लिन ह्यूजेस ने 12 जून को मुकदमा खारिज करते हुए कहा था कि मुकदमे में टीके के प्रयोगात्मक तथा खतरनाक होने के दावे गलत हैं। अगर उसके कर्मचारियों को यह मंजूर नहीं है तो वे कहीं और काम कर सकते हैं। अमेरिका में सबसे पहले ह्यूस्टन अस्पातल प्रणाली ने ही अप्रैल में कर्मचारियों को टीका लगवाने का निर्णय किया था।

पेरु के तटीय इलाके में 5.8 तीव्रता का भूकंप, किसी नुकसान की खबर नहीं

लीमा (पेरु)। पेरु के केंद्रीय तट पर मंगलवार देर रात 5.8 तीव्रता का भूकंप आया जिससे राजधानी के कुछ निवासियों को अपने हिलते घरों या इमारतों से बाहर भागना पड़ा। किसी तरह के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप का केंद्र कानेते प्रांत स्थित माला के पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में था और इसकी गहराई 50 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके राजधानी लीमा में महसूस किए गए और इसके असर से कुछ चट्टानें शहर के प्रशांत तट वाले हिस्से पर सड़क पर गिर गईं लेकिन अधिकारियों ने किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं दी है। पेरु में अकसर भूकंप आते हैं क्योंकि यह प्रशांत क्षेत्र के कथित 'रिंग ऑफ फायर' में पड़ता है।

भारत, जी 4 गठबंधन ने सुरक्षा परिषद सुधारों पर यूएनजीए को निर्णय में संशोधन के लिए बाध्य किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत और उसके जी 4 सहयोगियों ने महासभा के अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर को एक बैठक के दौरान अगले महासभा की बैठक के लिए सुरक्षा परिषद सुधार वार्ता शुरू करने के निर्णय में संशोधन को स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस मसले पर वह और जर्मनी के स्थायी प्रतिनिधि क्रिस्टोफ ह्युजेन खुले तौर पर कूटनीति की सभ्य शैली को छोड़ने के लिए भिड़ गए थे।

चूंकि महासभा सुधार प्रक्रिया पर आगे बढ़ने में विफल रही, अंतर सरकारी वार्ता (आईजीएन) चुपचाप अगले सत्र के एजेंडे से टकरा गई। हालांकि इस बार मंगलवार को जी 4 इस मुद्दे को चर्चा के लिए खुले में लाने में सफल रहा और सुधार प्रक्रिया को फिर से जीवंत करने के लिए विश्व नेताओं के आह्वान को प्रतिबिंबित करने के लिए निर्णय में संशोधन किया गया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने घोषणा की, इस संशोधित रोलओवर निर्णय के साथ आईजीएन को अब स्मोक स्क्रीन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। यह संभवत पहली बार था जब रोलओवर निर्णय पर चर्चा और संशोधन किया गया है। राजनयिक सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि यह विकास एक सफलता है क्योंकि यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक रिकॉर्ड में सुधारों और विभिन्न रुखों पर चर्चा करता है। जी 4 चाहता था कि सुरक्षा परिषद

के सुधार पर चर्चा में नया जीवन स्थापित करने के लिए दुनिया के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। ये शब्द सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्राध्यक्षों और सरकार द्वारा अपनाई गई घोषणा से सीधे लिए गए है। कई देशों के संशोधन के लिए जी 4 की मांग के समर्थन में, कतर के स्थायी प्रतिनिधि अल्या बिन्त अहमद अल थानी, जो आईजीएन के सह अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने औपचारिक रूप से आम सहमति के माध्यम से इसे स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा। इस बीच, राजनयिक सूत्रों ने आईएएनएस को बताया, अल थानी ने जी 4 संशोधन प्रस्ताव पर परामर्श की सुविधा प्रदान की और अधिकांश देशों ने इसका समर्थन किया, जिससे विश्व नेताओं के आह्वान को शामिल करने के लिए आम सहमति बन गई। जल्द ही जर्मनी के स्थायी प्रतिनिधि का पद छोड़ने जा रहे ह्युसगेन स्थायी सदस्यता बढ़ाने के लिए सुधारों का विरोध कर रहे हैं। पिछले हफ्ते बैठक में मामले व्यक्तिगत हो गए जब हेसजेन ने बोजकिर पर विधानसभा अध्यक्ष के रूप में तटस्थ रहने के बजाय सुधारों पर अपने देश, तुर्की का पक्ष लेने का आरोप लगाया। तुर्की एक सदस्य है, पाकिस्तान और इटली के साथ, यूनाइटिंग फॉर सर्वसम्मति (यूएफसी) के रूप में जाना जाता है, जो परिषद की स्थायी सदस्यता के विस्तार का विरोध कर रहा है और सुधारों को रोकने के लिए प्रक्रियात्मक उपायों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है। हेसजेन ने कहा कि यह एक समूह की स्थिति का प्रतिनिधित्व करने के लिए महासभा के अध्यक्ष का कार्य नहीं है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, चीन ने अपने सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से सुधारों का विरोध करने के लिए देशों पर दबाव डाला है।

श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने रिकॉर्ड 9वीं बार सांसद के रूप में शपथ ली

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने बुधवार को देश की राजनीति में इतिहास रचते हुए लगातार नौवीं बार सांसद के तौर पर शपथ ली। वह वर्ष 1977 के बाद से लगातार संसद पहुंचने वाले देश के पहले नेता बन गए हैं। विक्रमसिंघे यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) का वर्ष 1994 से नेतृत्व कर रहे हैं। हालांकि, उनकी पार्टी को वर्ष 2020 के संसदीय चुनाव में तगड़ा झटका लगा था और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था।

उस समय विक्रमसिंघे की यूएनपी को मात्र दो फीसदी वोट मिले थे जबकि पार्टी से टूटकर अलग हुए धड़े समागी जन बालावेग्या ने 40 सीट जीतकर प्रमुख विपक्षी पार्टी के तौर पर जगह बनायी। चार बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे विक्रमसिंघे अगस्त 2020 के संसदीय चुनाव में हार गए थे और राष्ट्रीय स्तर पर पड़े मतों के आधार पर नियुक्त होने वाले सदस्यों की सूची में यूएनपी के खाते में आयी सीट के जरिए विक्रमसिंघे संसद पहुंचे हैं। शपथग्रहण के बाद 72 वर्षीय विक्रमसिंघे ने देश की वर्तमान आर्थिक समस्याओं के लिए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

ईरान के परमाणु संयंत्र पर हुए हमले को किया गया नाकाम, सरकारी मीडिया का दावा

तेहरान। ईरान में सुरक्षा सेवाओं की करीबी समाचार वेबसाइट ने कहा कि अधिकारियों ने देश के असैन्य परमाणु कार्यक्रम को ''नुकसान पहुंचाने वाले हमले' को नाकाम कर दिया। हालांकि, इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की करीबी मानी वाली वेबसाइट नूर न्यूज ने बुधवार को खबर दी कि भवन को किसी तरह का नुकसान होने से पहले ही हमले को नाकाम कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। ईरान के एक अधिकारी से जब नूर न्यूज की खबर के बारे में पूछा गया तो अधिकारी ने कहा कि उन्हें मीडिया के साथ इस मुद्दे पर बात करने का अधिकार नहीं है। ईरान की अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी इसना ने कहा कि यह भवन राजधानी तेहरान के पश्चिम में लगभग 40 किलोमीटर दूर काराज शहर में स्थित है। सरकार के स्वामित्व वाले समाचार पत्र ईरान की वेबसाइट पर भी ऐसी ही खबर प्रकाशित की गई है। हालांकि इसमें भी स्थान और अन्य जानकारियां साझा नहीं की गई हैं।

चीन का स्पेश मिशन! राष्ट्रपति शी ने तीनों यात्रियों से की बात, मिशन को बताया- मील का पत्थर

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चीनी अंतरिक्ष स्टेशन में तैनात तीन यात्रियों से बुधवार को बात की और कहा कि यह परियोजना देश के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम में मील का पत्थर है। चीन के तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर गत बृहस्पतिवार को गोबी मरूस्थल से रवाना होने के कुछ ही घंटों बाद एक चीनी अंतरिक्ष यान देश के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन पर सफलतापूर्वक पहुंच गया। इस घटनाक्रम को अंतरिक्ष शक्ति बनने की चीन की महत्वाकांक्षी कोशिश में एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) के मुताबिक, शेनोझाउ-12 अंतरिक्ष यान गत बृहस्पतिवार को दोपहर में अंतरिक्ष स्टेशन के कोर मॉड्यूल तियान्हे से सफलतापूर्वक जुड़ गया। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के प्रमुख शी ने 'बीजिंग एयरोस्पेस कंट्रोल सेंटर' से अंतरिक्ष यात्रियों नी हैशेंग, लियू बोमिंग और टैंग होंगबो से बात की।

इसका सरकारी टीवी चैनलों पर सीधा प्रसारण किया गया। अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहले प्रत्यक्ष संपर्क में शी ने उनसे पांच मिनट बात की और अंतरिक्ष में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह दर्शाता है कि चीनी नेतृत्व देश की अंतरिक्ष अन्वेषण परियोजना को कितना महत्व देता है। उन्होंने कहा, ''आप अंतरिक्ष में तीन महीने रहेंगे, जबकि अंतरिक्ष में आपका काम और आपका जीवन चीनी लोगों के दिल में रहेगा।'' हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार, शी ने कहा ''हमारे अपने अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना एक मील का पत्थर है और यह अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग में मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है।'' तीनों अंतरिक्ष यात्रियों ने शी को सलामी दी और उन्हें मिल रहे समर्थन के लिए देश को धन्यवाद दिया। तीनों अंतरिक्ष यात्री सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के सदस्य हैं।

लाहौर में हाफिज सईद के घर के पास विस्फोट, 2 लोगों की मौत, 15 से ज्यादा घायल

लाहौर। (एजेंसी)।

लाहौर के जोहर कस्बे में बुधवार को हुए भीषण बम विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जोहर शहर में अल्लाह हू बुलेवार्ड के पास एक पुलिस चेक-पोस्ट के पास विस्फोटक से लदी एक गाड़ी में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि आसपास की कई इमारतों में दरारें आ गईं, जबकि इलाके में खड़े कई घरों और वाहनों के शीशे टूट गए। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि घायलों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जिन्हें पास के अस्पतालों में ले जाया गया है। स्थानीय लोगों से रक्तदान करने के लिए अस्पतालों का दौरा करने का आग्रह किया गया है। घायलों में पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं, जिनका इलाज नजदीकी अस्पतालों में चल रहा है। इनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है, जबकि

आतंकवाद निरोधी विभाग के अधिकारी विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पंजाब पुलिस के महानिरीक्षक इनाम गनी ने कहा, हम जांच करने के बाद ही कारण का पता लगा पाएंगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट बहुत जोरदार था। हालांकि, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि विस्फोटक एक मोटरसाइकिल पर रखा गया था। विस्फोटक ले जा रहे वाहन का निशाना मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का आवास रहा होगा, जिसका घर उसी इलाके में है। जिस सुरक्षा जांच चौकी के पास विस्फोट हुआ, वह हाफिज सईद के आवास के नजदीक है। गनी ने कहा कि हमलावरों के निशाने पर सुरक्षा अधिकारी लग रहे हैं। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने विस्फोट पर संज्ञान लिया है और आईजी को मामले की जांच कर प्राथमिकता के आधार पर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। बुदजार ने कहा, विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। इस बीच, गनी ने कहा कि इस तरह के आतंकी हमलों में हमेशा कोई विदेशी हाथ मौजूद होता है। विदेशी एजेंसियां सुरक्षा अधिकारियों को निशाना बनाने और डर फैलाने की कोशिश कर रही हैं, आतंकवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई को हराने में सफल नहीं होंगी।

भारतीय कंपनी कोवैक्सीन टीके खरीदने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के सौदे की जांच कर रहा है ब्राजील

रियो डी जिनेरियो। (एजेंसी)।

ब्राजील का संघीय अभियोजक कार्यालय भारतीय कंपनी 'भारत बायोटेक' द्वारा निर्मित कोवैक्सीन टीके की दो करोड़ खुराक खरीदने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से किए गए अनुबंध में संभावित अनियमितताओं की जांच कर रहा है। अटॉर्नी जनरल के प्रेस कार्यालय द्वारा 'द एसोसिएटेड प्रेस' को भेजे गए एक दस्तावेज के अनुसार, समझौते के तहत मंत्रालय को ब्राजील में भारत बायोटेक के प्रतिनिधि प्रेसिसा मेडिकैमेंटोस को टीके की हर खुराक के लिए 15 डॉलर की कीमत चुकाने के अनुसार 32 करोड़ डॉलर का भुगतान करना होगा। इस समझौते पर फरवरी में हस्ताक्षर किए गए थे। दस्तावेज के मुताबिक यह प्रति खुराक कीमत अन्य कोविड-19 टीकों की तुलना में अधिक है। इसके अलावा मंत्रालय के अधिकारियों ने संघीय सरकार के साथ पिछले अनुबंधों में प्रेसिसा सहयोगियों द्वारा की गई कथित अनियमितताओं की अनदेखी की।

इन बातों ने अभियोजकों का ध्यान खींचा। प्रेसिसा ने एक बयान में कहा कि ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ टीके की जिस कीमत पर सहमति बनी है, वह 13 अन्य देशों के साथ

बातचीत से तय हुई कीमत के समान है और इस सौदे में ''सभी औपचारिक मार्गों का पालन किया गया और इसे पारदर्शी तरीके से किया गया''। संघीय अभियोजक लुसियाना लौरेइरो ओलिवीरा ने 16 जून को हस्ताक्षरित एक दस्तावेज में कहा कि तीन साल पहले प्रेसिसा के सहयोगियों ने एक अन्य कंपनी के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ उन दवाओं की बिक्री के लिए अनुबंध किया था जो कभी वितरित नहीं की गईं। ओलिवेरा ने लिखा कि मंत्रालय ने भारत बायोटेक के टीके के लिए एक खरीद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जबकि इसे ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी अंविसा द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है और पहले से स्वीकृत अन्य टीके कम कीमतों पर बाजार में थे।

अमेरिका ने ईरानी समाचार आउटलेट के उपयोग वाली वेबसाइटों को जब्त किया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने मंगलवार को ईरानी न्यूज आउटलेट्स द्वारा प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दर्जनों वेबसाइटों को जब्त कर लिया।

न्याय विभाग ने बयान में कहा, आज, अदालत के आदेशों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरानी इस्लामिक रेडियो और टेलीविजन यूनियन (आईआरटीवीयू) द्वारा उपयोग की जाने वाली 33 वेबसाइटों और कातिब हिजबुल्लाह (केएच) द्वारा संचालित तीन वेबसाइटों को अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए जब्त कर लिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि इराक में सक्रिय शिया मिलिशिया समूह, आईआरटीवीयू और केएच दोनों को अमेरिकी सरकार द्वारा नामित किया गया था और बिना लाइसेंस के अमेरिका में वेबसाइट और डोमेन सेवाएं प्राप्त करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। ईरानी राज्य के स्वामित्व वाले समाचार चैनल प्रेस टीवी और अल-आलम की वेबसाइटें अवरुद्ध होने वालों में से थीं, जबकि दोनों ईरानी डोमेन का उपयोग करके दिन में बाद में फिर से चल रही हैं। यह कदम ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम राईसी द्वारा ईरान के खिलाफ सभी अन्यायपूर्ण प्रतिबंधों को उठाने के लिए अमेरिका से अनुरोध करने के एक दिन बाद आया और राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बैठक से इनकार कर दिया। वाशिंगटन और तेहरान ने अप्रैल से ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में अप्रत्यक्ष वार्ता की है, जिसका उद्देश्य ईरान परमाणु समझौते को बहाल करना है, जिसे औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है। छह दौर की बातचीत के बाद भी दोनों पक्ष इस मुद्दे पर बंटे हुए हैं। अमेरिकी सरकार मई 2018 में जेसीपीओए से हट गई और ईरान पर एकतरफा प्रतिबंध लगा दिए। इसके जवाब में, ईरान ने मई 2019 से अपनी जेसीपीओए प्रतिबद्धताओं के कुछ हिस्सों को धीरे-धीरे निलंबित कर दिया।

कौन है किरण आहूजा जो अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय का नेतृत्व करेंगी

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कार्मिक प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख के तौर पर भारतीय-अमेरिकी किरण आहूजा के नाम की पुष्टि करने के लिए अपना महत्वपूर्ण वोट डाला। आहूजा के नामांकन पर विभाजित सीनेट में बराबरी की स्थिति को तोड़ने के लिए हैरिस का वोट अहम रहा। कार्मिक प्रबंधन कार्यालय एक संघीय एजेंसी है जो देश के 20 लाख से अधिक लोक सेवकों का प्रबंधन करती है। अमेरिकी वकील एवं कार्यकर्ता आहूजा (49) अमेरिका सरकार में इस शीर्ष पद पर काबिज होने वाली पहली भारतीय-

अमेरिकी हैं। सीनेट में 50-50 मतों की स्थिति के बाद हैरिस ने मंगलवार को आहूजा के पक्ष में वोट डालने की घोषणा की। हैरिस ने कहा, ''सीनेट के समान रूप से विभाजित होने पर उपराष्ट्रपति सकारात्मक मतदान करती हैं।'' इसके साथ ही उपराष्ट्रपति के तौर पर यह हैरिस का इस साल का छठा मत है जो उन्होंने बराबरी की स्थिति को तोड़ने के लिए डाला है। सीनेटर डायने फिनस्टीन ने कहा कि आहूजा को जन सेवा और परोपकारी क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव हासिल है जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन में कार्मिक प्रबंधन कार्यालय में एक वरिष्ठ भूमिका भी शामिल है।

घर-घर राशन योजना को केंद्र ने किया रिजेक्ट

हमने तो प्रपोजल ही नहीं भेजा था, घर घर राशन योजना राष्ट्रहित में है: केजरीवाल, डिप्टी सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पीएम मोदी पर सवाल दागे

नई दिल्ली (संवाददाता)। **केंद्र** और दिल्ली सरकार के बीच एकबार फिर ठन गई है। इस बार दिल्ली में गरीबों को घर-घर राशन पहुंचाने की योजना को लेकर दोनों सरकारे आमने-सामने आ गई हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पीएम मोदी पर सवाल दागे हैं। भारत सरकार की एक चिट्ठी आई है, जिसमें लिखा है कि आपका गरीब लोगों को घर-घर जाकर राशन बांटने का प्रपोजल रिजेक्ट किया जाता है।

मनीष सिसोदिया का सवालः **मनीष** सिसोदिया ने कहा कि हमने तो कभी प्रपोजल भेजा ही नहीं था। हमने जब प्रपोजल ही भेजा तो आपने रिजेक्ट कैसे कर दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में गरीब लोगों का राशन उनके घर पर पहुंच सके जैसे पिज्जा और कपड़े डिलीवर होते हैं इसके लिए एक योजना अरविंद केजरीवाल ने बनवाई थी, लेकिन केंद्र ने इस पर रोक लगा दी थी।

केजरीवाल का सरकार पर हमलाः इस मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है। केजरीवाल ने लिखा है कि हर वक्त हर किसी से झगड़ा सही नहीं- ट्विटर, लक्षद्वीप, ममता दीदी, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली सरकार, किसानों, व्यापारियों, पश्चिम बंगाल के चीफ सेक्रेटेरी तक से झगड़ा इतना झगड़ा, हर वक्त राजनीति से देश आगे कैसे बढ़ेगा? घर घर राशन योजना राष्ट्रहित में है। इस पर झगड़ा मत कीजिए।

पीएम पर बरसे सीएम केजरीवालः अरविंद केजरीवाल ने एक और ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि केंद्र की चिट्ठी आयी है। बेहद पीड़ा हुई। इस किस्म के कारण देकर हर घर राशन योजना खारिज कर दी। राशन गाड़ी ट्रैफिक में फंस गयी या खराब हो गयी तो। तीसरी मंज़िल तक राशन कैसे जाएगा। 21वीं सदी का भारत चांद पर पहुंच गया, आप तीसरी मंज़िल पर अटक गए। संकरी गली में कैसे जाएगा।

इतना झगड़ालू पीएम नहीं देखाः सिसोदिया

उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण की जिम्मेदारी राज्य की है। अगर लोगों के घरों में पिज्जा, कपड़े और अन्य वस्तुएं पहुंचाई जा सकती हैं, तो राशन उनके घर तक क्यों नहीं पहुंचाया जा सकता है?' पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र सरकार से केंद्र के विवाद का जिक्र करते हुए सिसोदिया ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि वह क्यों हमेशा झगड़ने के मूड में रहते हैं। देश ने पिछले 75 साल में ऐसा झगड़ालू प्रधानमंत्री नहीं देखा है।'

कोरोना की संभावित तीसरी लहर के दौरान बच्चों को सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता: राजेंद्र पाल गौतम

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर हर बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। बड़े पैमाने पर वैक्सीनेशन कराकर और कोरोना से बचाव के नियमों का कड़ाई से पालन कर दिल्लीवासी कोरोना को हरा सकते हैं। दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम अस्पताल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बातें कहीं। बुधवार को बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल में गैर सरकारी संस्था वर्ल्ड विजन इंडिया की दिल्ली इकाई ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसके दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान वर्ल्ड विजन इंडिया की दिल्ली इकाई ने अस्पताल को 10 लीटर के 18 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के अलावा फुल बॉडी पीपीई किट, हाथों के दस्ताने, फेस शिल्ड, बायोमेडिकल डिस्पोजेबल बैग और सर्जिकल फेस मास्क प्रदान किए। मंत्री ने एनजीओ से प्राप्त सभी चिकित्सा उपकरण एवं सामग्री अस्पताल के शीर्ष अधिकारियों को सौंपी। इस दौरान अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा डॉक्टर और सुपरवाइजर स्टाफ आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहां कि महिला एवं बाल विकास मंत्री होने के नाते मेरा यह कर्तव्य है कि मैं संभावित खतरे को भांपते हुए दिल्ली में बच्चों के लिए अस्पतालों एवं चाइल्ड केयर संस्थानों में तैयारियों पर नजर बनाए रखूं। इसमें दिल्ली सरकार के प्रयासों के साथ-साथ गैर सरकारी संस्थानों द्वारा दिया जा रहा योगदान और सहयोग भी काबिले तारीफ है। उन्होंने वैक्सीन की उपलब्धता पर चिंता जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली बहुत कम समय में पूरी आबादी को वैक्सीन लगाने की क्षमता रखता है, लेकिन केंद्र इतनी संख्या में वैक्सीन उपलब्ध कराने में असमर्थ है।

मंत्री ने कहा कि हालांकि दिल्ली में लॉकडाउन चरणबद्ध तरीके से खुल चुका है, लेकिन इसके बावजूद लोगों को कोरोना से बचाव के दिशा निर्देशों का पालन करना चाहिए और मास्क लगाने या हाथ धोने में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

भारत की पहली महिला ओलंपिक पदक विजेता कर्णम मल्लेश्वरी को सीएम केजरीवाल ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (संवाददाता)। **अंतर्राष्ट्रीय** ओलंपिक दिवस 2021 के अवसर पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भारत की पहली महिला ओलंपिक पदक विजेता कर्णम मल्लेश्वरी का दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की प्रथम उपकुलपति के रूप में स्वागत किया। इस अवसर पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का शुरू होना, हमारे लिए बहुत बड़े सपने का पूरा होना है। मुझे यह कहते हुए बेहद गर्व है कि ओलम्पिक पदक विजेता कर्णम मल्लेश्वरी दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की पहली उपकुलपति होंगी। उन्होंने कहा कि कर्णम मल्लेश्वरी के नेतृत्व में दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले विद्यार्थी पूरे विश्व में भारत का नाम रौशन करेंगे। दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के विजन पर चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की पहली कुलपति ओलंपिक पदक विजेता कर्णम मल्लेश्वरी की नियुक्ति की घोषणा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना का हमारा उद्देश्य अपने देश में ऐसे एथलीट

तैयार करना है, जो हमारे देश को गौरवान्वित करें। हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं, जहां खेल फले-फूले और अपने खिलाड़ियों को उस स्तर तक ले जाएं, जहां वे हर ओलंपिक में भारत के लिए कम से कम 50 पदक जीतें। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाने का इरादा केवल रोजगार पैदा करना ही नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को अपनी एथलेटिक प्रतिभा को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करना भी है। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के माध्यम से, हम प्रतिभा के विकास को और बढ़ावा देना चाहते हैं, ताकि हम कह सकें कि कम से कम 50 ओलंपियन दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र हैं। विश्वविद्यालय अत्याधुनिक खेल सुविधाएं भी प्रदान करेगा। हमारा लक्ष्य कम से कम 10 खेल क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता चैंपियन तैयार करना है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने साझा किया कि दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी एक प्रमुख खेल विश्वविद्यालय होगा। खेल और खिलाड़ियों के लिए सभी उच्च मानक स्थापित किए जाएंगे। यह देश और विश्व के टॉप यूनिवर्सिटी के रूप में पहचानी जाएगी। यूनिवर्सिटी में न केवल खेल प्रतिभाओं को तराशा जाएगा, बल्कि दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से स्नातक होने पर एक छात्र को जो डिग्री मिलेगी, वह मुख्यधारा के पाठ्यक्रमों में मिलने वाली डिग्री के बराबर मान्य होगी। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा ने 2019 में दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (डीएसयू) स्थापित करने के लिए एक विधेयक पारित किया था।

नशे की लतः पिता-पुत्र करते थे गाड़ियों की चोरी

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। **डीडीए** द्वारा बसाई गई कालोनी लोकनायक पुरम में पिछले कई दिनों से एक के बाद एक साइकिल चोरी की घटनाओं ने पुलिस को परेशान कर रखा था। एक के बाद एक साइकिल चोरी की घटनाओं से पुलिस को इस बात का यकीन था कि वारदातों के पीछे किसी एक गिरोह या एक ही आरोपित का हाथ है। लेकिन बड़ा सवाल था कि आखिर यह कौन था। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त परविंदर सिंह के निर्देश पर पुलिसकर्मियों की टीम बनाई गई। छानबीन करते करते हुए पुलिस अंत में आरोपितों तक पहुंच ही गई। आरोपितों में प्रीतम, शिवा व गोपाल शामिल है। छानबीन के दौरान ही पुलिसकर्मियों को 21 जून को पता चला कि इलाके में कुछ चोर नजर आए हैं। इसके बाद बक्करवाला इलाके में पिकेट लगाया गया। पिकेट लगाने के बाद पुलिस टीम ने वहां से गुजरने वाले वाहनों पर नजर रखनी शुरू की। शाम को पुलिस को एक मोटरसाइकिल नजर आया जिसपर दो लोग सवार थे। लेकिन पिकेट देखते ही उन्होंने मोटरसाइकिल का रास्ता बदलने की कोशिश की। सतर्क पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। पूछताछ के दौरान दोनों मोटरसाइकिल के कागजात नहीं दिखा पाए। पता चला कि यह मोटरसाइकिल रणहौला इलाके से चुराई गई है। दोनों की पहचान प्रीतम व शिवा के रूप में हुई। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सरकारी स्कूलों में 28 जून से शुरू होगा दाखिला, जानिए एडमिशन से जुड़ी जरुरी बातें

नई दिल्ली । दिल्ली के सरकारी स्कूलों में नर्सरी, केजी और कक्षा 1 में दाखिला प्रक्रिया 28 जून से शुरू होगी। दिल्ली सरकार के के शिक्षा निदेशालय ने बुधवार को इस संबंध में परिपत्र जारी किया। निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक दाखिले फार्म 28 जून से 12 जुलाई तक संबंधित सर्वोदय विद्यालयों में मिलेंगे। अभिभावकों को फार्म भरकर सभी दस्तावेजों के साथ 12 जून तक स्कूलों में ही जमा करना होगा। वहीं, प्रधानाचार्यों को अभिभावकों की दाखिले से संबंधित सभी समस्याओं को दूर करने के लिए स्कूलों में हेल्प डेस्क भी बनानी होगी। हेल्प डेस्क में एक शिक्षक और एक एसएमसी सदस्य (स्कूल मैनेजमेंट कमेटी) रहेंगे। निदेशालय के मुताबिक स्कूल किसी भी दिव्यांग, बेसहारा, प्रवासी, बेघर, शरणार्थी और अनाथ बच्चों को दस्तावेज न होने के चलते दाखिले से नहीं रोक सकते हैं। ऐसे छात्रों के दाखिले के लिए स्कूलों को अभिभावक या संरक्षक से एक सादे कागज पर लिखित में शपथ पत्र लेकर 30 दिन का प्रोविजनल दाखिला देना होगा।

दाखिले के लिए छात्र के जन्म प्रमाण पत्र से लेकर पते का पहचान पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और शैक्षणिक दस्तावेजों की जरूरत होती है। लेकिन शिक्षा निदेशालय ने छात्रों को 30 दिन तक के लिए दस्तावेज में छूट देने की घोषणा की है। इसके बाद भी स्कूल प्रबंधन कमेटी (एसएमसी) ऐसे छात्रों के अभिभावकों के साथ मिलकर तय समय तक दस्तावेज तैयार करने में उनकी मदद करेंगे।

जलभराव न हो इसकी तैयारी पूरीः सत्येंद्र

नई दिल्ली (संवाददाता)। **मौसम** विभाग के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में जल्द ही मानसून दस्तक दे सकता है, जिसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने महानगर में जलभराव की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येन्द्र जैन ने बुधवार को इस विषय पर अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। बैठक में आगामी बारिश के कारण उत्पन्न हुई सभी अपरिहार्य स्थितियों की समीक्षा की गई। मंत्री सत्येन्द्र जैन का कहना है कि 'बरसात को देखते हुए दिल्ली में फ्लड कंट्रोल ऑर्डर जारी किया गया है। लगभग सभी नाले साफ हो चुके हैं। कुछ जगहों पर 5 से 7 प्रतिशत काम रह गया है वो

भी 30 जून से पहले कर दिया जाएगा। दिल्ली में जलभराव न हो इसके लिए पूरी तैयारी की गई है। उल्लेखनीय है कि आने वाले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में मानसून की बारिश शुरू होने वाली है। ऐसे में देश में इस साल मौसम विभाग ने सामान्य से अधिक मानसून रहने की आशंका जाहिर की है। मानसून के दौरान आम लोगों को किसी तरह की कोई समस्या न हो इसके लिए राष्ट्रीय राजधानी में आगामी मानसून सीजन को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने घोषणा की कि शहर को जलभराव से मुक्त रखने की तैयारी के चलते सड़क रख-रखाव और विद्युत इकाइयों के फील्ड स्टाफ को छुट्टी नहीं दी जाएगी।

फोन टैपिंग मामले में अपराध शाखा की जांच हुई तेज

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा फोन टैपिंग को लेकर दर्ज कराई गई एफआईआर की जांच शुरू हो गई है। अपराध शाखा ने इस मामले में राजस्थान के चीफ व्हिप महेश जोशी को नोटिस भेजा है और उन्हें 24 जून को अपराध शाखा के दफ्तर में पेश होने को कहा गया है। जहां उनसे टैपिंग को लेकर पूछताछ की जाएगी। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जुलाई 2020 में राजस्थान से सांसद और कैबिनेट मंत्री गजेंद्र शेखावत की बातचीत का एक ऑडियो लीक हुआ था। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखवात ने शिकायत दी थी। इस पर अपराध शाखा ने बीते मार्च में एफआईआर दर्ज की थी। मंत्री द्वारा दी गई शिकायत में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके साथ ही गृह मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए थे। एफआईआर दर्ज होने के कुछ ही दिन बाद कोविड संक्रमण बढ़ गया और लॉकडाउन लग गया। इस कारण मामले की जांच नहीं हो पाई। सूत्रों की माने तो उक्त मामले में मुख्य आरोपित लोकेश शर्मा को बनाया गया है, जिसके खिलाफ मंत्री ने शिकायत दी है। जल्द ही उनसे पूछताछ की जाएगी। अपराध शाखा ने चीफ व्हिप महेश जोशी को नोटिस भेजकर पूछताछ में शामिल होने के लिए बुलाया है।

बढ़ती गर्मी बिजली वितरण कंपनियों के लिए बढ़ा रही परेशानी

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। **उमस** भरी गर्मी की वजह से एकबार फिर से बिजली की खपत बढ़ने लगी है। पिछले कुछ दिनों तक लोगों को गर्मी से राहत मिली थी जिससे बिजली की खपत में भी कमी आई थी, लेकिन बुधवार दोपहर को अधिकतम मांग छह हजार मेगावाट के पार पहुंच गई। आने वाले दिनों में मांग में और बढ़ोतरी होने की संभावना है जिससे बिजली वितरण कंपनियों की परेशानी बढ़ेगी। राजधानी में निर्बाध बिजली आपूर्ति उनके लिए चुनौती होगी। लॉकडाउन के बाद आर्थिक गतिविधियां शुरू होने और गर्मी बढ़ने से जून के दूसरे सप्ताह में बिजली की खपत बढ़ने लगी थी। दस जून को बिजली की मांग 6499 मेगावाट पहुंच गई थी, जबकि पिछले वर्ष अधिकतम मांग मात्र 6314 मेगावाट थी। उसके

कुछ दिनों बाद बाद मौसम में सुधार आने से बिजली की मांग भी कम होने लगी। अधिकतम मांग गिरकर पांच हजार मेगावाट के आसपास पहुंच गई थी। अब एक बार फिर से मांग बढ़ रही है। बुधवार अपराह्न साढ़े तीन बजे अधिकतम मांग 61 सौ मेगावाट दर्ज की गई। अधिकतम मांग के साथ न्यूनतम मांग में भी बढ़ोतरी हो रही है। बिजली वितरण कंपनियों को अनुमान है कि इस

मांग बढ़ी

बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद भी मांग बढ़ने पर दिल्ली में निर्बाध आपूर्ति बड़ी चुनौती होती है

बार मांग सात हजार मेगावाट तक जा सकती है। उनका दावा है कि मांग को ध्यान में रखकर बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद भी मांग बढ़ने पर पूरी दिल्ली में निर्बाध बिजली आपूर्ति बड़ी चुनौती होती है। दरअसल लोड बढ़ने पर बिजली के उपकरण में खराबी आने का खतरा रहता है।

इस वजह से घनी आबादी वाले इलाके में ज्यादा परेशानी होती है। इस कारण बढ़ रही मांग से बिजली वितरण कंपनियों की चिंता बढ़ रही थी।

एनकाउंटर में अहम भूमिका निभाने वाली प्रियंका बनी इंस्पेक्टर

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। **दक्षिणी** दिल्ली में मुठभेड़ के बाद कुख्यात बदमाश को पकड़ने वाली महिला सब इंस्पेक्टर प्रियंका को बारी से पहले पदोन्नति दी गई है। पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने एसआई प्रियंका को अब इंस्पेक्टर बना दिया है। प्रियंका के अलावा क्राइम ब्रांच में तैनात एक अन्य महिला पुलिसकर्मी सहित सात जवानों को बारी से पहले पदोन्नति दी गई है। इसके साथ ही पांच पुलिसकर्मियों को असाधारण कार्य पुरस्कार भी दिया गया है। दिल्ली पुलिस मुख्यालय से बुधवार को जानकारी दी गई कि दक्षिणी दिल्ली में महिला दिवस के दिन कुख्यात बदमाश रोहित चौधरी को एनकाउंटर के बाद पकड़ा गया था। इस मुठभेड़ में रोहित चौधरी के पैर में गोली लगी थी। इस मुठभेड़ में अहम भूमिका क्राइम ब्रांच में तैनात महिला सब इंस्पेक्टर प्रियंका ने निभाई थी। उस समय प्रियंका के काम को काफी सराहा गया था। पुलिस कमिश्नर ने इस मुठभेड़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सब इंस्पेक्टर प्रियंका को बारी से पहले पदोन्नति देकर इंस्पेक्टर बना दिया है। इसके अलावा लापता बच्चों को तलाशने के चलते महिला सिपाही सुकन्या को सिपाही से हवलदार बनाया गया हैं।

बहादुरी का ईनाम

क्राइम ब्रांच में तैनात एक अन्य महिला पुलिसकर्मी सहित सात जवानों को बारी से पहले पदोन्नति दी गई

3664 बसों की आयु हो चुकी पूरी, हट जाएंगी बसें

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। **भाजपा** का कहना है कि दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने को लेकर दिल्ली सरकार गंभीर नहीं है। सरकार की लापरवाही व अदूरदर्शिता की वजह से कुछ माह बाद राजधानी सार्वजनिक परिवहन की समस्या और बढ़ेगी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की 3664 बसों की आयु सितंबर तक पूरी हो जाएगी। नियम के अनुसार इन सभी बसों को सड़क से हटानी पड़ेगी। भाजपा का कहना है कि राजधानी में इस समय 15 हजार बसों की जरूरत है। इसके विपरीत डीटीसी और क्लस्टर की मिलाकर बमुश्किल छह हजार बसें चल रही हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने बसों की कमी दूर करने का

वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी बस नहीं खरीदी गई। भ्रष्टाचार के आरोप के कारण एक हजार लो फ्लोर बसें खरीदने की प्रक्रिया पर भी रोक लगा दी गई है। वहीं, आयु पूरी कर चुकी बसों को चलाने से दिल्ली के लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ होगा। बिधूड़ी का कहना है कि आयु पूरी करने वाली बसों को सड़क से हटाने के बाद लोग मजबूरन निजी वाहन से सफर करेंगे जिससे जाम की समस्या बढ़ेगी। ज्यादा वाहनों के सड़क पर आने से वायु प्रदूषण भी बढ़ जाएगा। सड़क दुर्घटना का खतरा भी बढ़ेगा।

उपराज्यपाल को इस मामले में हस्तक्षेप करके दिल्लीवासियों की परेशानी दूर करनी चाहिए। यदि अभी से कदम नहीं उठाए गए तो दो माह बाद समस्या गंभीर हो जाएगी।

80 हजार पुलिसकर्मियों के परिवार को लगाई जायेगी वैक्सीन

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। **दिल्ली** पुलिस के 80 हजार से ज्यादा कर्मचारियों के परिवार को कोरोना से बचाने के लिए वैक्सीन दी जा रही है। इसके लिए पुलिस कॉलोनी में सेंटर बनाए गए हैं, जहां केवल पुलिसकर्मियों के परिवार को वैक्सीन दी जा रही है। पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने इस अभियान में तेजी के लिए सभी जिला डीसीपी को निर्देश दिए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कोरोना के चलते बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और उनके परिवार के सदस्य भी कोरोना संक्रमित हुए थे। कोविड के चलते 12 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी संक्रमित हुए, इनमें से 77 पुलिसकर्मियों की जान चली गई। कई पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों ने भी कोविड की

वजह से अपनी जान गंवा दी। ऐसे में पुलिसकर्मियों के साथ ही उनके परिवार को भी वैक्सीन लगवाना बेहद जरूरी है। दिल्ली पुलिस के 95 फीसदी से ज्यादा कर्मचारियों को कोविड से बचाव के लिए वैक्सीन दी जा चुकी है, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए उनके परिवार को भी वैक्सीन लगवाना बेहद आवश्यक है, इसके लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

पुलिस कालोनियों में खोले जा रहे सेंटरः पुलिसकर्मियों के परिवार को वैक्सीन लगवाने के

निर्देश

सभी पुलिसकर्मियों को अपने परिवार का पंजीकरण करवाकर जल्द से जल्द वैक्सीन लगवाने के निर्देश दिए हैं

लिए सरकार के सहयोग से वैक्सीन सेंटर खोले जा रहे हैं। यह वैक्सीन सेंटर पुलिस कॉलोनी में खोले जा रहे हैं जहां पर पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों को ही वैक्सीन दी जा रही है। इसे लेकर हाल ही में विशेष आयुक्त सुंदरी नंदा ने एक आदेश दिया है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को अपने परिवार का पंजीकरण करवाकर जल्द से जल्द वैक्सीन लगवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह ऐसे पुलिसकर्मियों को चिन्हित करें जिन्होंने अपने परिवार को अभी तक वैक्सीन नहीं लगवाई है। उनके परिवार के सदस्यों को जल्द से जल्द वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जाए।

सुरक्षा के लिये बेहद जरूरी है वैक्सीन लगवाना विशेष आयुक्त सुंदरी नंदा की तरफ से जारी किए गए निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए वैक्सीन लगवाना बेहद आवश्यक है। अधिकारियों की तरफ से पुलिसकर्मियों के परिवार के लिए सेंटर खोले गए हैं, साथ ही सभी जिलों के डीसीपी को निर्देश दिए गए हैं कि जिन पुलिसकर्मियों ने अभी तक अपने परिवार को वैक्सीन लगवाने के लिए पंजीकरण नहीं करवाया है, उनसे इसका कारण पूछा जाए।

संपादकीय

दक्षिण में मजबूत होता क्षेत्रवाद

तमिलनाडु और केरल में क्षेत्रीय दावे उभार पर हैं। राज्यों के हक-हुकूक की आवाज बुलंद करने की तात्कालिक वजहें तमिलनाडु में ए के स्टालिन के नेतृत्व वाले द्रमुक गठबंधन की ताजपोशी और केरल में पी विजयन की अगुवाई वाले वाम मोर्चे की वापसी हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी की जबर्दस्त जीत ने भी इस भावना को मजबूत किया है। राजनीतिक मोर्चे की बात करें, तो द्रमुक की जीत द्रविड़ विचारधारा की मजबूती का प्रतीक मानी जा रही है। कई मायने में इसे उप-राष्ट्रवाद के उदय के रूप में देखा जा रहा है या फिर केंद्र सरकार के आक्रामक-राष्ट्रवाद का राज्य की जनता द्वारा दिए गए जवाब के रूप में। यहां तक कि केरल में वाम मोर्चा ने भी चुनावों से पहले अपनी सांस्कृतिक पहचान को मजबूती से सामने रखा। मसलन, अपने प्रेस-कॉन्फ्रेंस और सार्वजनिक भाषणों में पी विजयन बार-बार 'ई नाडु' दोहराते रहे, जिसका अर्थ है केरल की यह भूमि। इसका मकसद राज्य की सामाजिक व ऐतिहासिक विशिष्टता पर जोर देना और खुद को दूसरे सूबों से अलग हैसियत में दिखाना था कि लोग कैसे उनके शासन में शांतिपूर्वक जीवन बिता रहे हैं।

इस बात के कई कारण हैं कि दोनों राज्य दूसरों की तुलना में खुद को अलग देखते हैं। इसकी मूल वजह स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे सामाजिक संकेतकों में अर्जित उनकी उपलब्धियां हैं। नीति आयोग द्वारा 2020 के लिए जारी किए गए सतत विकास लक्ष्यों में इन राज्यों को ऊपर रखा गया है। जहां तक समग्र रैंकिंग का मामला है, तो केरल को सर्वोच्च और तमिलनाडु को दूसरा स्थान मिला है। इतना ही नहीं, सूचकांक बताता है कि तमिलनाडु में गरीबी नहीं है, जबकि पड़ोसी राज्य केरल भुखमरी से जीत चुका है।गरीबी में जीने वाले सभी उम्र के स्त्री-पुरुषों व बच्चों के अनुपात को सभी आयामों में कम से कम आधा करने का मकसद वैश्विक सतत विकास लक्ष्य में रखा गया है। आंकड़े बताते हैं कि तमिलनाडु ने यह लक्ष्य हासिल कर लिया है। इसी तरह, इसने स्वास्थ्य योजना कवरेज में 64 और मनरेगा लक्ष्य में 94 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। हालांकि, नीति आयोग ने आय और व्यय में असमानता को मापने वाले प्रमुख संकेतक को शामिल नहीं किया है, फिर भी, ये दोनों राज्य अन्य सूबों से काफी आगे हैं। अब दोनों राज्यों की आशंका यह है कि अगर उन्हें राजस्व में पर्याप्त हिस्सा नहीं मिलता है, तो साल 2020 का उनका प्रदर्शन कमतर हो सकता है, क्योंकि वे भी महामारी से बुरी तरह प्रभावित हैं। सत्ता गंवाने वाली अन्नाद्रमुक सरकार पर अतीत में जब कभी केंद्र के इशारे पर चलने का आरोप लगा, तब वह यह कहते हुए पलटवार करती थी कि केंद्र के साथ मिलकर काम करना वास्तव में फायदेमंद है। तब उसके द्वारा इस बात पर जोर दिया जाता था कि केंद्र के साथ (दूसरे शब्दों में भाजपा गठबंधन के साथ) रहने पर राज्य को व्यापार के लिहाज से फायदा मिलेगा। भाजपा के करीबी कारोबारी समूहों की सफलता से ऐसी धारणा बनी है। मगर सत्ता संभालने के तुरंत बाद द्रमुक गठबंधन ने कई तरह से क्षेत्रीय उम्मीदों की वकालत करनी शुरू कर दी। राज्य के नव-नियुक्त वित्त मंत्री पी टी राजन ने तो जीएसटी परिषद की बैठक में केंद्र को याद दिलाते हुए यह कहा कि 'राज्यों के बिना कोई संघ नहीं होता'। उन्होंने महामारी के समय केंद्र से सांविधानिक दायित्वों के तहत राज्यों की उदारतापूर्वक मदद करने को कहा। वास्तव में, तमिलनाडु में विवाद तब पैदा हुआ, जब राज्य ने आधिकारिक बयानों में 'केंद्र या केंद्र सरकार' जैसे शब्दों से परहेज बरतते हुए 'संघ सरकार' कहना शुरू किया, ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि भारत राज्यों का संघ है और केंद्र भी जवाबदेह है। और, जैसा कि अब तक कहा जाता है, केंद्र ही सर्वशक्तिमान नहीं है। बेशक इससे ऐसा लग सकता है कि राज्य नेतृत्व शब्दों की बाजीगरी कर रहा है, पर इसका मकसद यह बताना था कि केंद्र भी अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार है। उल्लेखनीय है कि केरल और तमिलनाडु, दोनों इस बात पर जोर देते रहे हैं कि केंद्र राज्यों के लिए टीके खरीदे और इनका वितरण राज्यों पर छोड़ दे। विजयन ने तो सभी गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर यह कहा था। इसलिए, दोनों राज्य कामकाज में स्वायत्तता की मांग कर रहे हैं और केंद्रीकरण का विरोध कर रहे हैं, पर जहां उन्हें लगता है कि केंद्र के सहयोग से समग्र दक्षता में वृद्धि होगी, वहां वे मदद की मांग भी कर रहे हैं। खैर, केंद्र सरकार अब टीका स्वयं खरीदने और राज्यों को मुफ्त देने के लिए तैयार हो गई है। दक्षिण के दोनों राज्य अब बार-बार इस ओर भी इशारा कर रहे हैं कि सामाजिक-आर्थिक संकेतकों में उनका बेहतर प्रदर्शन बताता है कि दोनों सूबों में राजनीतिक और नीतिगत ढांचा बेहतर है। उन्हें डर अब यह है कि भाजपा की 'एक राष्ट्र-एक कर, एक बाजार और एक राशन' जैसी पहल केंद्रीकरण को बढ़ावा देने की कोशिश है और सुशासन पर ध्यान देने के बजाय ये कवायदें केंद्र को अधिक शक्ति दे रही हैं। आर्थिक मसलों के अलावा दोनों राज्यों को यह भी लगता है कि इन दिनों उनकी सांस्कृतिक पहचान पर चोट की जा रही है। जैसे, केरल में एक तबके का मानना है कि उप-राज्यपाल द्वारा पड़ोसी लक्षद्वीप में जो कुछ किया जा रहा है, वह मूल बाशिंदों और द्वीपवासियों के आपसी सांस्कृतिक रिश्तों को कमजोर करेगा। तमिनलाडु में भी भाषा नीति, विशेष रूप से नई शिक्षा नीति में बदलाव, केंद्रीय सेवाओं में भर्ती और निर्देशक या चेतावनी संकेतकों में हिंदी के उपयोग को इन राज्यों की अनूठी संस्कृति व पहचान को बिगाड़ने के केंद्रीय प्रयासों के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि संघवाद ऐसा पसंदीदा शब्द बन गया है, जो इन दोनों राज्यों के शब्दकोश में लौट आया है। आने वाले दिनों में इसके अधिक इस्तेमाल होने की ही संभावना है, क्योंकि पी विजयन और स्टालिन अपना कद मजबूत करना चाहते हैं। राजनीतिक रूप से उन्हें यह लगता है कि एक मुखर राजनीति से ही उन्हें लाभ मिल सकेगा।

प्रवीण कुमार सिंह

नकारात्मक कारणों से सुर्खियों में रहने वाले देश के पूवरेत्तर क्षेत्र से अनेक सकारात्मक तथ्य भी जुड़े

इसकी शुरुआत हमारी शिक्षा व्यवस्था में पाठ्यक्रम में इन्हें पर्याप्त स्थान देकर ही हो सकती है, क्योंकि बच्चों में पूवरेत्तर के संबंध में सुनी सुनाई छवि के स्थान पर वास्तविक छवि बननी चाहिए ताकि जब भी किसी पूवरेत्तर के व्यक्ति से मिलना हो तो अजनबियत का भाव न हो। हमें शेष भारत को बताना होगा कि भारत के इतिहास में पूवरेत्तर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी समृद्ध संस्कृति के प्रति आकर्षण भी हममें होना चाहिए।भारत जैसे बहुनृजातीय और बहुसांस्कृतिक देश में नस्लभेद विरोधी शैक्षणिक संस्कृति का विकास होना बहुत जरूरी हो गया है।

पिछले दिनों पंजाब के एक युवा यूट्यूबर द्वारा अरुणाचल प्रदेश के पूर्व सांसद निनोंग एरिंग के हाव-भाव पर की गई नस्लीय टिप्पणी ने पूवरेत्तर भारत के लोगों को लेकर बनी गहरी रूढ़िवादी छवि को फिर से उजागर किया है। लुधियाना के इस यूट्यूबर ने तो यहां तक कह दिया कि एरिंग कहीं से भारतीय नहीं दिखते। कई और आपत्तिजनक तथ्य भी उसने कहे।

यदि यह टिप्पणी केवल एक नासमझ व्यक्ति की होती तो शायद इसे नजरअंदाज किया भी जा सकता था, लेकिन यह हमारे समाज के एक बड़े वर्ग की उस सोच को भी प्रदर्शित करता है जो पूवरेत्तर के लोगों को उनके शारीरिक गठन, खानपान और वेशभूषा के कारण विदेशी मानता है। देश का यह खास हिस्सा अक्सर जिन सकारात्मक वजहों से चर्चा में होना चाहिए, उससे अधिक ऐसी नकारात्मक वजहों से चर्चा में रहा है।

लंबे समय से नस्लीय भेदभाव और हिंसा के शिकार पूवरेत्तर भारत की आवाज शायद ही मुख्यधारा ने सुनी हो, पर पिछले दो दशकों से स्थितियां बदल रही हैं। वर्ष 2014 में जब अरुणाचल प्रदेश के ही युवक निदो तानिया की दिल्ली में हत्या हुई तो यह मुद्दा प्रमुखता से देश भर में उठाया गया। यहां तक कि तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा एमपी बेजबरुआ की अध्यक्षता में एक समिति का भी गठन किया गया जिसे पूवरेत्तर के लोगों पर हमलों के कारणों की जांच करने और उपचारात्मक उपाय सुझाने का कार्य सौंपा गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2005 से 2013 के मध्य लगभग दो लाख से अधिक पूवरेत्तर भारतीयों का दिल्ली में प्रव्रजन हुआ जिसमें 86 प्रतिशत से अधिक नस्लीय भेदभाव के शिकार हुए।

समिति ने इस स्थिति में बदलाव के लिए कठोर वैधानिक प्रविधानों के साथ साथ इस संबंध में देशभर में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया था। इसी संबंध में समिति ने यह अनुशंसा

की थी कि शेष भारत के मन मस्तिष्क में पूवरेत्तर के हरेक पहलू को जोड़ने के लिए नवाचारी उपायों की जरूरत है। समिति ने सुझाव दिया था कि शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा अपने पाठ्यक्रम को इस रूप में निर्मित किया जाए ताकि प्रशिक्षुओं को पूवरेत्तर के मामलों पर संवेदनशील बनाया जा सके और शेष भारत के विश्वविद्यालयों व स्कूलों के कक्षा कार्यक्रम में पूवरेत्तर पर प्रोजेक्ट बनवाना अनिवार्य किया जाए।

इसीलिए जब हाल में इस यूट्यूबर द्वारा नस्लीय टिप्पणी की गई तो बेजबरुआ समिति की अनुशंसाएं फिर से चर्चा में आ गईं। इंटरनेट मीडिया के मंचों पर यह चर्चा का विषय बन गया। यह मांग की जाने लगी है कि एनसीईआरटी और सीबीएसई की पाठ्य पुस्तकों में पूवरेत्तर के इतिहास, सांस्कृतिक विशेषताओं, महान व्यक्तियों और इस क्षेत्र की भूमिका को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए।

इस बहस के साथ भारत के दूसरे हिस्सों में इन लोगों के साथ हो रहे नस्लीय भेदभाव एक बार फिर से केंद्र में आ गए हैं। यहां यह समझना होगा कि भौगोलिक रूप से शेष भारत से कटा हुआ यह हिस्सा ऐतिहासिक अलगाव का भी शिकार रहा है। मालूम हो कि ब्रिटिश काल में पूवरेत्तर भारत उनके संसाधनीय साम्राज्यवाद का मुख्य आकर्षण केंद्र हुआ करता था। अपने इन्हीं हितों को पूरा करने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन, 1873 लाया गया था। शेष भारत से पूवरेत्तर भारत जाने के लिए इनर लाइन परमिट के जरिये अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया। इसके पहले धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक रूप में शेष भारत और पूवरेत्तर भारत के मध्य अंतरसंपर्क के अनेक साक्ष्य मिलते हैं, पर इनर लाइन परमिट व्यवस्था के बाद से भौगोलिक दूरी सामाजिक दूरी के रूप में दिखने लगी। जब भारत में राष्ट्रीय आंदोलन अपने चरम पर था, तब पूवरेत्तर भारत में भी उसका असर दिख रहा था। कुछ आंदोलन स्वतंत्र रूप में तो कुछ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के भाग के रूप में इस क्षेत्र में दिखते थे। पश्चिमी साम्राज्यवादी देश कभी भी भू-राजनीतिक रूप में भारत को एक ताकतवर देश के रूप में नहीं देखना चाहते थे, इसीलिए फूट डालो और शासन करो की जो नीति उन्होंने शुरू की उसका असर आजादी के बाद दिखने लगा। अलग नृजातीय पहचान के कारण स्वाभाविक था कि इस क्षेत्र के लोगों में स्वायत्तता की भावना प्रबल थी और वे भारतीय एकीकरण में अपनी मूल पहचान को खत्म नहीं करना चाहते थे। पर समस्या जितनी अलग नृजातीय पहचान की नहीं थी उससे अधिक राजनीतिक और सामाजिक एकीकरण की थी। प्रारंभिक दौर में हमारा ध्यान इस क्षेत्र के साथ शेष भारत के संवाद, संपर्क और समायोजन की गतिविधियों को बढ़ावा देने से अधिक यथास्थिति को बनाए रखने की रही।

इस क्षेत्र के बारे में आम भारतीयों की राय नकारात्मक होने की कई वजह है। इन्हें अक्सर सुरक्षा बोझ के रूप में देखा जाता रहा है। चीन और म्यांमार की तरफ से बढ़ते लोग हमारी अखंडता को प्रभावित कर रहे हैं और हमें लगता है कि इसके लिए यहां के लोग ही जिम्मेदार हैं। चूंकि यह गोल्डन ट्राइएंगल के पास अवस्थित है, इसलिए अक्सर ड्रग्स और हथियारों की तस्करी से भी इसे जोड़कर देखा जाता है। हालांकि भविष्य में भारत का ग्रोथ इंजन बनने की संभावना रखने वाला यह क्षेत्र आर्थिक, सामरिक, सांस्कृतिक हर दृष्टि से भारत का गौरव है। पर शायद हम, हमारी सरकार और हमारा समाज अपने ही इस अभिन्न भाग के महत्व को अनदेखा करते आ रहे हैं। भारतीय दिखने से नहीं, बल्कि भारतीय होने से भारतीयता समृद्ध होती है। यह बात पूवरेत्तर और अन्य भारतीय क्षेत्रों के लोगों को भी समझनी चाहिए। किसी सामान्य वार्तालाप के दौरान पूवरेत्तर और शेष भारत शब्द का इस्तेमाल दिखते ही एक अलगाववादी भावना का बोध करा दिया जाता है जो उचित नहीं है। देश की मुख्यधारा में जोड़ने का हो प्रयास~ समय के साथ साथ पूवरेत्तर की समस्याएं भी जटिल होती गई हैं। पर यह समस्या इतनी जटिल न होती अगर भारत की भारतीयता में एक झलक पूवरेत्तर का भी होता। जहां हम भारत के अन्य हिस्सों के लोकगीतों, लोक नृत्य, वेशभूषा आदि से काफी परिचित हैं, वहीं इस क्षेत्र से बेगानापन कई प्रश्न खड़े करता है। आज भी बॉलीवुड से लेकर साहित्य या खेलकूद आदि के क्षेत्र में भारत के अन्य हिस्सों की तुलना में पूवरेत्तर से प्रतिनिधित्व बेहद कम है। इसलिए इंटरनेट मीडिया के एक खास मंच के माध्यम से चल रहा यह एक वाजिब मुहिम है जो इस क्षेत्र को भारत की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर सकता है, लेकिन यह एक कृत्रिम पहल के रूप में नहीं होना चाहिए। इनसे जुड़ना अपने आप से जुड़ना जैसे होना चाहिए। इसकी शुरुआत हमारी शिक्षा व्यवस्था में पाठ्यक्रम में इन्हें पर्याप्त स्थान देकर ही हो सकती है, क्योंकि बच्चों में पूवरेत्तर के संबंध में सुनी सुनाई छवि के स्थान पर वास्तविक छवि बननी चाहिए ताकि जब भी किसी पूवरेत्तर के व्यक्ति से मिलना हो तो अजनबियत का भाव न हो। हमें शेष भारत को बताना होगा कि भारत के इतिहास में पूवरेत्तर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी समृद्ध संस्कृति के प्रति आकर्षण भी हममें होना चाहिए।भारत जैसे बहुनृजातीय और बहुसांस्कृतिक देश में नस्लभेद विरोधी शैक्षणिक संस्कृति का विकास होना बहुत जरूरी हो गया है।

स्वास्थ्य ढांचे में पर्याप्त सुधार के बिना संक्रमण की तीसरी लहर से मुश्किल होगा मुकाबला

च्कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर ने साफ कर दिया है कि मध्य प्रदेश के कमजोर स्वास्थ्य ढांचे में बदलाव बहुत जरूरी है। इसे मजबूत किए बिना तीसरी लहर से मुकाबला करना कठिन होगा। खुद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी यह स्वीकार कर चुके हैं कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर सरकार के अनुमान से बड़ी थी। यही वजह है कि मरीजों की संख्या के सामने स्वास्थ्य व्यवस्था लाचार हो गई थी। वह यह भी मानते हैं कि पहली लहर के बाद अनुमान लगाया गया था कि दूसरी लहर शायद इतनी भयावह नहीं होगी कि बेड और दवाओं के लिए संकट पैदा हो जाए।

हालांकि सरकार ने पूरा जोर लगाकर मुकाबला किया, अस्पतालों की संख्या बढ़ाई गई, बिस्तर, दवाओं और आक्सीजन की अतिरिक्त व्यवस्था की गई, लेकिन संकट इससे भी बड़ा होता गया। इसलिए सरकार अब आगे कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। वह तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों में अभी से जुट गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विशेषज्ञों के अनुमान के आधार पर जनता को सतर्क किया है कि राज्य में तीसरी लहर सितंबर-अक्टूबर में आ सकती है। सरकार अभी से निपटने की तैयारियों में जुट गई है, लेकिन लोग भी सतर्क रहें। तीसरी लहर कैसी होगी और इसकी तैयारी किस तरह की जाएगी, इस संबंध में सरकार विशेषज्ञों की राय के आधार पर कदम उठा रही है।

वैसे कोरोना की दूसरी लहर अब समापन की ओर है। संक्रमण दर एक फीसद से नीचे आ चुका है। सरकार ने एक जून से प्रदेश के ज्यादातर जिलों को अनलाक कर दिया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर सहित सभी शहरों में दुकानें खुलने लगी हैं, लेकिन दिक्कत यह है कि सरकार की चेतावनी के बावजूद भीड़ उमड़ रही है। शारीरिक दूरी और मास्क को लेकर बेपरवाही दिख रही है। हालांकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की देहभाषा स्पष्ट कर रही है कि स्थिति नियंत्रित करने के बाद अब सरकार को चैन से नहीं बैठना है। सवाल यह है कि इतनी परेशानियों के बाद मध्य प्रदेश कोरोना की दूसरी लहर से उबर तो गया है, लेकिन उसने इससे सीखा क्या? स्वास्थ्य ढांचे की जो कठिनाइयां उभरकर सामने आई थीं उनके समाधान के लिए क्या किया गया?

सबसे पहले बात आक्सीजन की उपलब्धता की करते हैं। मध्य प्रदेश मेडिकल आक्सीजन के लिए पूरी तरह दूसरे प्रदेशों पर निर्भर था। जब चारों ओर से मांग बढ़ी और दूसरे राज्यों ने आक्सीजन देने से हाथ खड़े किए तो यह प्रदेश सरकार के लिए बड़ा धक्का था। मुख्यमंत्री ने अपने प्रभाव का उपयोग कर किसी तरह स्थिति संभाल ली, लेकिन इसके साथ यह भी तय किया कि आगे से दूसरे राज्यों पर निर्भरता खत्म की जाएगी। केंद्र सरकार की मदद और अपने संसाधनों से सभी जिलों में आक्सीजन प्लांट लगाने के लिए राज्य सरकार ने कदम उठाया। जरूरत के हिसाब से कई जिलों में दो आक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं। इनमें से आठ जिलों में प्लांट शुरू भी हो गए हैं। राज्य में एक और बड़ी कमी थी जिला अस्पतालों में आइसीयू वार्ड की। बड़े शहरों को छोड़कर ज्यादातर जिला अस्पतालों में आइसीयू वार्ड नहीं थे। अब सभी जिला अस्पतालों में 15 से 20 बिस्तर वाले आइसीयू वार्ड तैयार हो गए हैं। मेडिकल कॉलेजों में भी व्यवस्थाएं बढ़ाई गई हैं। तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए ये तैयारियां भी काफी नहीं हैं।माना जा रहा है कि तीसरी लहर आने पर सबसे अधिक खतरा बच्चों के लिए होगा, क्योंकि उनके लिए अभी तक टीकाकरण की शुरुआत नहीं हो पाई है। भोपाल-इंदौर जैसे शहरों में जिला अस्पतालों में बच्चों के लिए आइसीयू हैं, लेकिन अन्य जिलों में नहीं है।

बच्चों के डॉक्टरों की संख्या भी जरूरत से कम है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाटिक्स के मुताबिक मध्य प्रदेश में पीडियाटिक्स के कुल 1208 चिकित्सक हैं। इनमें से भी 51 फीसद डॉक्टर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में हैं। आशंका जताई जा रही है कि यदि तीसरी लहर में बच्चे कोरोना की चपेट में आए तो स्थिति भयावह हो सकती है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाटिक्स के मुताबिक 2010 से 2018 तक देश में मध्य प्रदेश का बर्थ शेयर 7.5 फीसद रहा, जबकि पीडियाटिशियन का शेयर 3.9 फीसद ही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि उपकरण तो जुटाए जा सकते हैं, लेकिन डॉक्टर और प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण कार्य है। तीसरी लहर के खतरे को कम करने के लिए टीकाकरण को तेज करना ही सबसे बड़ा उपाय है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगभग 60 फीसद जनसंख्या को टीके लगा देने के बाद महामारी नियंत्रित रहेगी। इस हिसाब से प्रदेश में टीकाकरण की रफ्तार बहुत धीमी है। आठ करोड़ की जनसंख्या वाले मध्य प्रदेश में एक करोड़ से कुछ अधिक लोगों को ही अब तक वैक्सीन का पहला या दोनों डोज लगाए गए हैं।

टीके पर नासमझी

सरकार ने अपनी तरफ से यह स्पष्टीकरण देकर अच्छा किया है कि भारत बायोटेक की कोवैक्सीन में नवजात बछड़ों का सीरम नहीं होता। सोशल मीडिया के जरिए फैली यह अफवाह महामारी की तीसरी लहर को रोकने के तमाम प्रयासों पर पानी फेर सकती है। हालांकि इसके मूल में आरटीआई के तहत पूछे गए सवाल से मिले जवाब को बताया जा रहा है, लेकिन इस जवाब को कांग्रेस के एक नेता ने जिस अंदाज में ट्वीट किया, उससे इस विवाद ने एक अलग ही रूप ले लिया। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद न केवल भारत बायोटेक और केंद्र सरकार की ओर से बल्कि ट्विटर पर सक्रिय जानकार लोगों की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश हुई। इससे यह साफ हुआ कि मामला आरटीआई के तहत हासिल किए गए जवाब का उतना नहीं, जितना उसे समझने में हुई चूक का है। वेरो सेल विकसित करने के लिए अगर बछड़े के सीरम का इस्तेमाल होता है तो इसका मतलब यह नहीं हुआ कि फाइनल प्रॉडक्ट यानी वैक्सीन में भी यह सीरम होता है और न ही यह कि इसके लिए नवजात बछड़ों को मारा जाता है।

कोवैक्सीन पोलियो, रैबीज और इन्फ्लुएंजा के टीकों में भी इसका इस्तेमाल दुनिया भर में होता रहा है। मगर यहां मसला सिर्फ एक टेक्निकल मुद्दे को न समझने भर का नहीं, उसके राजनीतिक इस्तेमाल की मंशा का भी है। सेंट्रल ड्रग्स कंट्रोलर की ओर से मिले जवाब को ट्वीट करते हुए कांग्रेस नेता का यह कहना मायने रखता है कि मोदी सरकार ने कबूल किया है कि कोवैक्सीन में नवजात बछड़े का सीरम होता है... यह सूचना पहले ही सार्वजनिक की जानी चाहिए थी। जाहिर है, सरकार विरोधी तेवर के साथ ही इसमें धार्मिक भावनाओं को लाने की परोक्ष कोशिश भी है। ट्वीट के वायरल होने के पीछे इन दोनों कारकों की भी भूमिका रही है और इसी को रेखांकित करते हुए शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जो वैज्ञानिक सोच और रिसर्च की जरूरत बताते रहते हैं, आज एक आरटीआई के आधार पर वैक्सीन में धार्मिकता के सवाल को लाकर लोगों में वैक्सीन संबंधी हिचक को बढ़ावा दे रहे हैं।

अच्छी बात यह रही कि अपने एक नेता की ओर से किए गए इस ट्वीट को कांग्रेस ने भी ज्यादा तूल नहीं दिया। उसने खुद को इस विवाद से अलग रखा। सभी राजनीतिक दलों को समझना चाहिए कि वायरस के खिलाफ लड़ाई को किसी भी रूप में बाधित करना आत्मघाती होगा। खासकर मौजूदा दौर, जब दूसरी लहर उतार पर है और तीसरी लहर आने में थोड़ा वक्त है, हमारी तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम है। इसी अंतराल में टीकाकरण की प्रक्रिया को तेज करके हम तीसरी लहर के रूप में आने वाली विपदा को टाल सकते हैं। ऐसे में सबकी कोशिश टीकाकरण प्रक्रिया को यथासंभव तेज करने की ही होनी चाहिए।

भारत के खिलाफ आतंक की नीति को पाक अभी छोड़ने को तैयार नहीं

ये विश्लेषक यह भी महसूस करते हैं कि मीर को सेना के ही कुछ जनरलों का वरदहस्त प्राप्त है, जो बाजवा के अगले वर्ष समाप्त हो रहे विस्तारित कार्यकाल के बाद फैज के अगले सेना प्रमुख बनने की संभावनाओं पर आघात करना चाहते हैं। जो भी हो, पाकिस्तान के घटनाक्रम पर भारत को कड़ी नजर रखनी होगी। उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अपना रुख दोहराना चाहिए कि वह पाकिस्तान से संबंध सुधारने का पक्षधर है, लेकिन तभी जब पाकिस्तान आतंकवाद का परित्याग करे। कुलमिलाकर पाकिस्तान में जारी खींचतान यही दर्शाती है कि वह भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने की वास्तविक मंशा प्रकट करने वाला बुनियादी फैसला भी नहीं ले सका है, जो न केवल उसकी जनता, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए पूरे क्षेत्र के हित में होगा।

इस साल फरवरी में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संघर्ष विराम का जो निर्णय किया, उसके सौ दिन पूरे हो चुके हैं। इस दौरान सीमा पर शांति रही। इससे नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। यकीनन यह एक बड़ा बदलाव है, लेकिन एक चीज बिल्कुल भी नहीं बदली और वह है पाकिस्तान द्वारा आतंकी ढांचे को कायम रखना। हमारे सेना प्रमुख जनरल मोहन मुकुंद नरवणे ने हाल में इस तथ्य को पुष्ट किया। यह यही दर्शाता है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंक की अपनी नीति को अभी भी छोड़ने के लिए तैयार नहीं। वह उसके उपयोग को लेकर बस सही बिसात बिछाना चाहता है। जबसे संघर्ष विराम हुआ है, तबसे पाकिस्तान में कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए हैं और उनसे यही संकेत मिलते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य और राजनीतिक वर्ग में भारत नीति को लेकर मतभेद बढ़ते जा रहे हैं। कश्मीर से जुड़े मसलों पर सैन्य और राजनीतिक, दोनों वर्गो का रवैया सख्त है। तथापि कुछ जनरल और नेता भारत के साथ रिश्तों को व्यावहारिक बनाने और व्यापार एवं संपर्क बहाली कर भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने के इच्छुक हैं, जबकि अन्य अपने पारंपरिक कड़े रवैये पर अड़े हैं। हालांकि सभी आतंकवाद को एक विकल्प के रूप में भी कायम रखना चाहते हैं, जबकि पाकिस्तान को इसकी बड़ी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ी है। अपने तमाम प्रयासों के बावजूद पाकिस्तान अभी भी एक खतरनाक जगह के रूप में कुख्यात है। वह विदेशी निवेश आकर्षित करने में अक्षम बना हुआ है। इसमें चीन पाकिस्तान

आर्थिक गलियारे (सीपैक) के अंतर्गत चीन से होने वाला निवेश शामिल नहीं है। सीपैक में ग्वादर बंदरगाह का विकास भी शामिल है। भारत के लिए उसके व्यापक सामरिक निहितार्थ हैं। वहीं चीन के लिए सीपैक का आर्थिक से कहीं अधिक सामरिक महत्व है।

संघर्ष विराम के करीब महीने भर बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा ने एक महत्वपूर्ण नीतिगत भाषण में कहा था कि पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा के लिए आर्थिक पहलुओं पर भी विचार करना होगा। उनकी राय थी कि राष्ट्रीय सुरक्षा का दायरा सीमाओं की पारंपरिक सुरक्षा से परे जनता के कल्याण पर भी केंद्रित करना है और यह व्यापार सहित आर्थिक सशक्तीकरण से संभव होगा। उन्होंने कनेक्टिविटी की महत्ता भी बताई। विश्लेषकों ने इसे भारत के साथ व्यापार एवं संपर्क बहाल करने में उनकी दिलचस्पी के तौर पर भी देखा। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर में संवैधानिक बदलाव करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापारिक संबंध एक तरह से खत्म कर लिए। बाजवा के इस भाषण के तुरंत बाद खबरें आई थीं कि पाकिस्तान भारत से चीनी और कपास आयात करना चाहता है। वाणिज्य महकमा खुद ही संभालने वाले प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, लेकिन उन्हें अपनी कैबिनेट में ही इस पर विरोध झेलना पड़ा, जिसकी अगुआई विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के नेतृत्व में कुछ मंत्रियों ने की। पाकिस्तान की राजनीतिक वास्तविकताओं को देखते हुए इन नेताओं को कुछ जनरलों का समर्थन प्राप्त है, जो भारत को लेकर जनरल बाजवा के रवैया से कुपित हैं। उन्हें यह पाकिस्तान की पारंपरिक नीति से विचलन जैसा लगा। इस बीच मीडिया में कुछ बातें लीक हुईं। उनमें यही जिक्र था कि कश्मीर को लेकर पाकिस्तान भारत से क्या अपेक्षा रखता है। स्वाभाविक रूप से ये विचार कहीं अधिक उदारवादी जनरलों के रवैये से जुड़े थे।

तात्कालिक तौर पर पाकिस्तान यही चाहता है कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। इस दौरान कुरैशी ने भी कुछ लचीलापन दिखाया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 भले ही भारत का आंतरिक मामला हो, लेकिन कश्मीर एक विवादित मसला था। उनका यह बयान पाकिस्तान के रुख से उलट था। इसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई और कुरैशी को अपने बयान से पलटना पड़ा। तबसे इमरान खान और कुरैशी जम्मू कश्मीर में तथाकथित मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर सख्त बयानबाजी में लगे हुए हैं। गत सप्ताह एक साक्षात्कार में इमरान खान ने व्यापार और संपर्क के अलावा वार्ता की गाड़ी को पटरी पर लाने की बात अगस्त 2019 के संवैधानिक कदमों को पलटने के साथ जोड़ी। वह वापस उसी रुख पर आ गए हैं जो पाकिस्तान ने अगस्त 2019 के बाद अपनाया था। बेहतर हो कि बाजवा और इमरान खान वास्तविकता को समझें, न कि शर्तें लादने का काम करें। उनके लिए आवश्यक है कि वह भारत के साथ पुराने अड़ियल रवैया अपनाने पर आमादा लोगों पर नियंत्रण पाने के साथ ही आतंकी ढांचे का ध्वंस करें।

समस्या यह है कि पाकिस्तान की भारत नीति में पाकिस्तानी सेना की सियासत का भी घालमेल हो रहा है। पाकिस्तान के एक प्रख्यात टीवी पत्रकार हामिद मीर ने अपने एक साथी पत्रकार को पिटवाने के मामले में जनरलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत को लेकर फौज का रवैया नरम होता जा रहा है। मीर ने यह भी कहा कि ऐसा करके सेना पाकिस्तानी अवाम की इच्छा के विरुद्ध जाने के साथ ही उसके संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की नीतियों से भी विमुख हो रही है। जानकारों का मानना है कि मीर के निशाने पर जनरल फैज हामिद थे, जो खुफिया एजेंसी आइएसआइ के महानिदेशक हैं। ये विश्लेषक यह भी महसूस करते हैं कि मीर को सेना के ही कुछ जनरलों का वरदहस्त प्राप्त है, जो बाजवा के अगले वर्ष समाप्त हो रहे विस्तारित कार्यकाल के बाद फैज के अगले सेना प्रमुख बनने की संभावनाओं पर आघात करना चाहते हैं। जो भी हो, पाकिस्तान के घटनाक्रम पर भारत को कड़ी नजर रखनी होगी। उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अपना रुख दोहराना चाहिए कि वह पाकिस्तान से संबंध सुधारने का पक्षधर है, लेकिन तभी जब पाकिस्तान आतंकवाद का परित्याग करे। कुलमिलाकर पाकिस्तान में जारी खींचतान यही दर्शाती है कि वह भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने की वास्तविक मंशा प्रकट करने वाला बुनियादी फैसला भी नहीं ले सका है, जो न केवल उसकी जनता, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए पूरे क्षेत्र के हित में होगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

भाजपा के सहयोगी दल निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने रखी शर्त- मांगा उप मुख्यमंत्री पद

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से सभी राजनीतिक पार्टियां अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गई हैं। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दल निषाद पार्टी ने एक बड़ी मांग कर दी है। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने आगामी विधान सभा चुनाव में उप मुख्यमंत्री पद की मांग की है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा अगर उन्हें उप मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ती है तो इससे उसे और फायदा मिलेगा और हमारी सरकार बनेगी।

निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने यूपी विधानसभा चुनाव में खुद को उप मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की मांग भारतीय जनता पार्टी से की है। उनका कहना है कि अगर भाजपा उनके चेहरे पर चुनाव लड़ती है तो पूरे यूपी में निश्चित विजय मिलेगी। भाजपा ने हमसे कैबिनेट पद और राज्यसभा सीट का वादा किया था। अगर वे हमें चोट पहुंचाएंगे तो वे भी खुश नहीं रहेंगे। हम अपने आरक्षण के मुद्दे के लिए संघर्ष कर रहे हैं। डॉ. संजय निषाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक सभी जातियों के मुख्यमंत्री बनाए जा चुके हैं, लेकिन अब 18 फीसद वोट की ताकत रखने वाले मछुआरा समाज के चेहरे पर भाजपा को चुनाव लड़ना चाहिए।

यदि मुख्यमंत्री नहीं बना सकते तो कम से कम डॉ. संजय निषाद को आगामी चुनाव में उप मुख्यमंत्री का चेहरा बना कर चुनाव लड़े, अगर भाजपा ऐसा करती है तो इससे पूरे प्रदेश में निश्चित ही विजय मिलेगी। डॉ. संजय निषाद ने कहा कि हमको अगर बीजेपी खुश रखेगी तो उनको 2022 में खुशी मिलेगी। अन्यथा हमको दुखी करके बीजेपी खुश नहीं हो सकती है। संजय निषाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमारी पार्टी द्वारा कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। हम अब दौरे शुरू करेंगे और कार्यक्रम करेंगे। हमारे कार्यक्रम पहले से तय थे, लेकिन बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने हमको दिल्ली मिलने के लिए बुलाया था, जिस वजह से कार्यक्रम को आगे बढ़ाना पड़ा।

पटना पहुंचते ही तेजस्वी ने चिराग को दे डाला बड़ा ऑफर, सीएम नीतीश को बताया लोजपा में टूट का मास्टरमाइंड

पटना । लंबे समय बाद बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बुधवार को पटना पहुंचे। यहां आते ही उन्होंने सांसद चिराग पासवान को अपने साथ आने का न्योता दे डाला। कहा कि अब चिराग भाई को तय करना है कि बंच ऑफ थॉट्स के पुरजे के साथ रहेंगे या बाबा साहेब ने जो संविधान लिखा उसका साथ देंगे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी जमकर निशाना साधा। इस क्रम में उन्होंने उम्मीद जताई कि लालू जी जल्द पटना आ सकते हैं।

मीडिया से मुखातिब होते हुए तेजस्वी ने कहा कि यह सबको पता है कि लोजपा में टूट का मास्टरमाइंड कौन है। ऐसे में चिराग पासवान को खुद दिशा तय करनी है। तेजस्वी ने कहा कि लोजपा को 2005 और 10 में भी नीतीश जी ने तोड़ने का प्रयास किया। जब 2010 में लोजपा का एक भी एमएलए-एमपी नहीं था तब लालू जी ने रामविलास पासवान को राज्यसभा सांसद बनाया था। यदि जोड़-तोड़ करने वाले बिहार के विकास के लिए इतना सोचें तो बहुत कुछ हो जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस बयान पर कि उन्हें लोजपा में टूट की जानकारी नहीं है, कहा कि उन्हें तो कुछ पता ही नहीं रहता है। उन्हें क, ख, ग, घ का पता नहीं होता। हो‌उन्हें यह भी पता नहीं कि बिहार में कोरोना और बाढ़ से जनता त्राहिमाम कर रही है। महंगाई चरम सीमा पर है। बिहार बेरोजगारी का केंद्र बना हुआ है। पुल बनकर टूट रहा है। आगे न जाने क्या होगा।

मैं नेता के साथ बेटा भी हूं - इतने दिनों बाद पटना आने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि सत्ता पक्ष को यह भी पता होना चाहिए कि वे नेता के साथ बेटा भी हैं। उनकी जिम्मेदारी अपने पिता के प्रति भी है। वर्तमान में लालू जी की तबियत पर ध्यान रखने की जरूरत है। कोविड का दौर भी था। वे डॉक्टर की निगरानी में हैं। जल्द उनका पटना आना हो सकता है।

भागलपुर में वैक्सीनेशन के बाद स्वास्थ्य विभाग का चक्कर काट रहे लोग, अधिकारी के पास नहीं है जवाब

भागलपुर। भागलपुर में वैक्सीनेशन के बाद नेशनल पोर्टल पर एंट्री नहीं होने की स्थिति में दो हजार से ज्यादा एंट्री पेंडिंग है। इसका मुख्य कारण पोर्टल का स्लो होना या घंटो खराब होना बताया जा रहा है। हालांकि, 16 जून को वैक्सीनेशन करवाने वाले कई लोगों को अब तक मैसेज नहीं मिला है इसलिए वो कई बार स्वास्थ्य विभाग का चक्कर लगा चुके हैं। उन्हें यह बताया जा रहा है कि पोर्टल स्लो है। लेकिन टीका ले चुके लोगों के गले में ये बात नहीं उतर रही है।

छह दिन बाद भी मैसेज नहीं आने का ठोस कारण स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी नहीं बता पा रहे हैं। 16 और 21 जून को मेगा शिविर लगाकर करीब 95 हजार लोगों को जिले में वैक्सीन दी गई। बताया गया कि जल्दीबाजी में पोर्टल पर एंट्री नहीं कर ऑफ लाइन एंट्री की गई और वैक्सीनेशन किया गया। ऑफ लाइन एंट्री में वैक्सीन लेने वाले लोगों के आधार कार्ड के अलावा पहचान पत्र ले लिया जाता है। टीकाकरण के बाद लोगों की एंट्री डाटा ऑपरेटर करते हैं। प्रखंडों से डाटा ऑपरेटरों द्वारा की गई एंट्री मुख्यालय भागलपुर को दूसरे दिन मिलती है। वहीं, जिले के ग्रामीण इलाकों में नेटवर्किंग की समस्या से डाटा ऑपरेटर परेशान रहते हैं। इसलिए ज्यादातर एंट्री प्रखंड मुख्यालय में आकर ही वैक्सीनेशन की एंट्री पोर्टल पर की जाती है। 21 जून को करीब चार घंटे नेशनल पोर्टल का सर्वर खराब रहा, हजारों लोगों को ऑफ लाइन एंट्री कर वैक्सीन दी गई।

वहीं, वैक्सीनेशन के बाद 48 घंटे के अंदर एंट्री करने का समय तय है। अगर किसी कारणवस एंट्री नहीं की गई तो बाद में देता ऑपरेटर को एंट्री करने में परेशानी होती है। 16 जून को कई लोगों को वैक्सीन लगाने के बाद अभी तक मैसेज नहीं मिला है। सुल्तानगंज के गौतम कुमार ने कहा कि 16 जून को वैक्सीन का दूसरा डोज लिया था। अभी तक मैसेज नहीं मिला है। जब स्वास्थ्य विभाग जाकर जानकारी ली, तो नेशनल पोर्टल पर सिर्फ पहला डोज की जानकारी थी। आदमपुर के सूरज कुमार और भीखनपुर के विद्या सागर ने भी 16 जून को वैक्सीन ली थी, लेकिन मैसेज नहीं आया है।

महाकुंभ में कोविड जांच में फर्जीवाड़ा - जांच में सहयोग करेगी आरोपित संस्था मैक्स सर्विसेज, बिना नोटिस गिरफ्तारी नहीं

नैनीताल । उच्च न्यायालय ने मैक्स कॉरपोरेट सर्विसेज की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वह जांच में सहयोग को पूरी तरह तैयार है और 25 जून को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होंगे। याचिकाकर्ता के अनुसार उनको अब तक सेक्शन 41 का नोटिस नहीं मिला है, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सात साल से कम की सजा वाले अपराध में दिया जाना जरूरी है। मंगलवार को न्यायाधीश न्यायमूर्ति एनएस धानिक की एकलपीठ में मैक्स की पार्टनर मल्लिका पंत द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की गई ।

न्यायालय ने अनेश कुमार बनाम बिहार राज्य में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आलोक में याचिकाकर्ता को मनमानी गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को जांच में शामिल होने और 25 जून को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का भी निर्देश दिया है। न्यायालय ने जांच अधिकारी को धारा 41 सीआरपीसी के तहत प्रदान की गई प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी द्वारा नोटिस दिया जाना वैधानिक संरक्षण है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने अदालत को बताया कि हम जांच में शामिल होने के लिए तैयार हैं और निश्चित रूप से अदालतों के आदेश का पालन करते हुए जांच अधिकारी के सामने पेश होंगे। कोर्ट ने याचिका का अंतिम रूप से निस्तारण कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि हरिद्वार महाकुंभ के दौरान कोविड टेस्ट में फर्जीवाड़ा के मामले में हरिद्वार के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मैक्स के साथ ही दो लैबों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मैक्स ने याचिका में प्राथमिकी निरस्त करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने की प्रार्थना की थी।

योगी आदित्यनाथ ही होंगे चुनाव में बीजेपी का सीएम चेहरा, कोर कमेटी बैठक में मिले संकेत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री के रूप में किसी दावेदार को प्रस्तुत नहीं किया था, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर पार्टी चुनाव लड़ेगी। पिछले दिनों दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद यह संकेत मिला था। अब लखनऊ में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष के साथ हुई बीजेपी कोर कमेटी और योगी कैबिनेट की बैठक में जिस तरीके से योगी सरकार के कामकाज की तारीफ की गई, उससे भी स्पष्ट हो गया है कि यूपी मिशन 2022 का नेतृत्व सीएम योगी आदित्यनाथ ही करेंगे। सूत्रों ने बताया कि अधिकांश मंत्रियों ने कहा कि कोरोना काल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथका मैदान में उतरना बहुत अच्छा रहा। उन्होंने सभी मंडलों का दौरा किया तो स्थितियां ज्यादा तेजी से सुधरीं और कोरोना की दूसरी लहर को नियंत्रित करने में सफल रहे।

राजधानी लखनऊ में दो दिन चले बैठकों के दौर के बाद भाजपा के रणनीतिकारों ने विधानसभा चुनाव के लिए अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली है। योगी कैबिनेट के मंत्रियों से विभागीय उपलब्धियों का ब्योरा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर सुझाव लेते हुए राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह ने संतोष जताया। आखिरकार तय हुआ कि मोदी-योगी सरकार का रिपोर्ट कार्ड ही मिशन-2022 में भाजपा का तुरुप का इक्का होगा। इसे लेकर ही प्रभारी मंत्री और संगठन पदाधिकारी जनता के बीच जाएंगे। विपक्ष जो नकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है, सरकार के रिपोर्ट कार्ड से उसे बेअसर कर जनता को फीलगुड कराना है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए आए बीएल संतोष और राधामोहन सिंह ने मंगलवार शाम को प्रदेश मुख्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डॉ. दिनेश शर्मा सहित सभी कैबिनेट मंत्रियों और पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक की। सोमवार को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर हुई बैठक में भी सरकार के कामकाज की समीक्षा कर चुके इन राष्ट्रीय नेताओं ने बारी-बारी से सभी कैबिनेट मंत्रियों से उनके विभाग की जनहित की योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में पूछा।

साथ ही जानकारी ली कि किस-किसने सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोद लिए। खास तौर स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने के संबंध में सुझाव जाने। कामकाज से संतोष जाहिर करते हुए मंत्रियों से कहा गया कि यह चुनावी वर्ष है, इसलिए सरकार और संगठन को मिलकर इसमें जुटना है। प्रभारी मंत्री हों या संगठन के पदाधिकारी, सभी को सरकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाना है। यह सुनिश्चित कर लें कि जो भी योजनाएं हैं, उनका लाभ सभी जरूरतमंद पात्रों को मिल जाए। टीकाकरण बढ़ाने और राशन वितरण की योजनाओं पर सबसे अधिक जोर दिया गया।

भाजपा के रणनीतिकारों को लगता है कि विपक्ष के पास सिर्फ आरोप हैं, जबकि भाजपा सरकार और संगठन के पास मोदी-योगी शासन की उपलब्धियों की भरमार है। जनता को बताना होगा कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में किस तरह से इतनी जल्दी कोरोना को काबू कर लिया गया। सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र पर चली सरकार ने बिना भेदभाव के घर, शौचालय सहित विभिन्न सुविधाएं दी हैं। लगभग चार घंटे तक चली इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल के अलावा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापतिराम त्रिपाठी, लक्ष्मीकांत बाजपेयी, विनय कटियार, केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय और प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही भी शामिल हुए।

कानपुर में भी मतांतरण कराने वालों का नेटवर्क, स्कूल से चलता था मोटिवेशन कैंप

कानपुर । मतांतरण प्रकरण में कानपुर के तार सिर्फ आदित्य गुप्ता के शिकार होने की वजह से ही नहीं जुड़े हैं, बल्कि शहर में बड़ा नेटवर्क भी सक्रिय है। तमाम लोग स्थानीय स्तर पर मतांतरण के लिए हिंदू युवाओं, खासकर मूक बधिरों को अपना निशाना बनाते हैं। इनमें से कई हिंदू से मुस्लिम बनने के बाद अन्य को जाल में फंसाने का काम कर रहे हैं। स्वजन और आदित्य से पूछताछ के बाद आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को कई चौकाने वाली जानकारियां मिली हैं। हालांकि, अब सारे संदिग्ध गायब हैं।

एटीएस सूत्रों के मुताबिक, आदित्य के स्वजन से पूछताछ में कानपुर के दो ऐसे युवाओं का पता चला है, जो पूर्व में मतांतरण कर चुके हैं। गरीबी के चलते दोनों ने ऐसा किया। एक जूही का निवासी है और दूसरा बाबूपुरवा का रहने वाला बताया जा रहा है। दोनों को हिंदू युवाओं को मोटिवेशन कैंप में लाने की जिम्मेदारी दी गई थी। जब आदित्य प्रकरण में तत्कालीन एसपी पश्चिम की टीम जांच कर रही थी तो उसने जूही निवासी युवा से भी पूछताछ की थी, लेकिन उससे कुछ हासिल न होने का दावा करते हुए जांच बंद कर दी थी।

सूत्र बताते हैं, एजेंटों को मोटिवेशन कैंप तक लाने के लिए पांच हजार रुपये और मतांतरण के बाद 20 से 25 हजार रुपये दिए जाते थे। आदित्य की मां भी स्वीकार कर चुकी हैं कि करीब पांच साल पहले उनका बेटा चमनगंज में रहने वाले मूक बधिर वासिफ के संपर्क में आया था। बाद में उन्हें पता चला कि वासिफ चमनगंज क्षेत्र के एक नामी स्कूल में मूक बधिर हिंदू बच्चों को मुस्लिम धर्म के प्रति मोडने के लिए मोटिवेशन कैंप चलाता था। इसके अलावा इसी स्कूल में अन्य मोटिवेटर भी आते थे और हिंदू किशोर व युवाओं को नौकरी व पैसों का लालच देकर मुस्लिम बनाने का दबाव डालते थे।

एनडीएफ के एक शिक्षक ने बोई थी मतांतरण की फसल

मतांतरण के मामले में नोएडा स्थित नेशनल डीफ सोसाइटी सबसे अधिक चर्चाओं में है। आदित्य भी बिठूर के जिस मूक बधिर विद्यालय में पढ़ता था, उसे इस सोसाइटी की मान्यता मिली हुई थी। असल में मतांतरण का पूरा खेल इस स्कूल में पढ़ाने वाले एक मुस्लिम शिक्षक का बताया जा रहा है। आदित्य की मां के मुताबिक, यह शिक्षक कुछ समय के लिए कानपुर भी आया था। इस बीच उसकी संदिग्ध गतिविधियों का पता चला। उसी वक्त सामने आया था कि शिक्षक बचों को मुस्लिम धर्म के बारे में बढ़ा चढ़ाकर बताता था। मामला संज्ञान में आने के बाद शिकायत भी हुई थी। इससे उसका इसमें बड़ा हाथ होने की आशंका है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव शिव प्रकाश और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भोपाल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर पौधारोपण करते हुए।

लखनऊ की सौ साल पुरानी कॉलोनी में तीन मंजिला इमारत गिरी, भूतल पर रह रहे युवक की मौत

लखनऊ । नगर निगम की रिवर बैंक कॉलोनी में बुधवार को हादसा हो गया। कॉलोनी में सेवा सदन नाम की तीन मंजिला बिल्डिंग गिर जाने से एक युवक की मौत हो गई। यह युवक बिल्डिंग के भूतल पर रहता था। पुरानी व जर्जर बिल्डिंग होने से यह हादसा हुआ है। मृत युवक का नाम गौरव त्रिवेदी है। युवक यहां अपने चाचा ज्ञानी के साथ रहता था। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत कार्य शुरू करा दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर मंत्री ब्रजेश पाठक भी पहुंच गए। पुलिस ने रेस्क्यू के लिए स्छत्रऋ (राज्य आपदा मोचन बल) की टीम को बुलाया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने मलबे के नीचे से युवक के शव को बाहर निकाला।

रिवर बैंक कालोनी में बना गोमती सदन काफी जर्जर हालत में था। इस इमारत के अगले हिस्से में प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले गौरव त्रिवेदी अपने चाचा ज्ञानी त्रिवेदी के साथ रहते थे। पुलिस ने बताया कि गौरव बाहर वाले कमरे और ज्ञानी अंदर वाले कमरे में सोते थे। सुबह करीब 7 बजे बाहर वाले कमरे की छत अचानक ढह गई। राज्य आपदा मोचन बल की टीम ने कड़ी मश्क्कत कर गौरव को बाहर निकाला, लेकिन तब तक गौरव की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

करीब सौ साल पुरानी इस कॉलोनी के कई भवन जर्र्जर हो चुके हैं, लेकिन नगर निगम की तरफ से उसकी मरम्मत के प्रयास नहीं किए गए। एक समय पॉश कॉलोनी के रूप में पहचान रखने वाली रिवर बैंक कॉलोनी में अलग-अलग ब्लाक बने हैं। जिस बिल्डिंग में यह घटना हुई है। वह तीन मंजिला थी, जिसमे से ऊपर के दो मंजिला फ्लैट बंद थे। बंद फ्लैट और पुरानी इमारत होने से बारिश के पानी का जमाव हो रहा था, जो घटना का कारण बना। इस घटना की सूचना पाते ही जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश और नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी मौके पर पहुंच गए। नगर निगम के अधिशासी अभियंता एपी तिवारी का कहना है कि रिवर बैंक कॉलोनी से अलग भाग में तीन मंजिला यह भवन था, जो गोमती सदन के नाम से था। इस भवन के ऊपर की दो मंजिला बंद थे और नीचे परिवार रहता था।

ऊपर का भाग गिरने से नीचे परिवार के साथ रह रहे युवक की मौत हो गई।

बिल्डिंग की मरम्मत की मांग की जा रही थी

इस बिल्डिंग में रहने वाले ज्ञानी त्रिवेदी लंबे समय से भवन की मरम्मत की मांग कर रहे थे और कई बार धरना भी दे चुके थे। इस हादसे में मरने वाला युवक ज्ञानी त्रिवेदी का भतीजा था, जो मूल रूप में रायबरेली बछरावा के मुबारकपुर राजा मऊ गांव का निवासी है। मृतक युवक के पिता की तबियत ठीक नहीं रहती है और परिवार में दो बहने हैं। वह यहां केकेसी में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। ज्ञानी त्रिवेदी के पिता राम प्यारे त्रिवेदी पूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा के निजी सचिव रहे थे। यह परिवार यहां लंबे समय से रह रहा था।

पूरी बिल्डिंग गिराएगा नगर निगम- नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी का कहना है कि रिवर बैंक कॉलोनी से जुड़ा यह भवन था, जिसका ऊपरी भाग गिरा है। उसके बगल के भवन को भी गिराया जाएगा। साथी ही पूरी कॉलोनी में बिल्डिंग का परीक्षण कराया जाएगा कि वह रहने लायक है कि नहीं।

उत्तर प्रदेश जलिा पंचायत अध्यक्ष चुनाव : भाजपा ने पूर्व सीएम बीर बहादुर सिंह की बहू पर लगाया दांव

गोरखपुर । भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह की पुत्रवधू और कैम्पियरगंज विधायक फतेह बहादुर सिंह की पत्नी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह को पार्टी की तरफ से जिला पंचायत अध्यक्ष का प्रत्याशी घोषित किया है। जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर मंगलवार को जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रत्याशी के नाम की अधिकृत घोषणा की।

पूर्व मुख्यमंत्री वीरबहादुर सिंह की पुत्रवधू और कैम्पियरगंज से भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह की पत्नी साधना सिंह वर्ष 2010 में भी जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुई थीं। इस बार उनके जिला पंचायत सदस्य चुने के बाद से ही जिला पंचायत अध्यक्ष की दावेदारी को लेकर उनका नाम पार्टी में सबसे आगे चल रहा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक साधना सिंह की तरफ से पार्टी को इस बात का भरोसा पहले दिया गया था कि अध्यक्ष के लिए आवश्यक बहुमत उनके पास मौजूद है।

साधना सिंह को जिला पंचायत अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाए जाने पर क्षेत्रीय अध्यक्ष डा धर्मेंद्र सिंह, राज्यसभा सदस्य शिव प्रताप शुक्ला, जयप्रकाश निषाद, सांसद रवि किशन शुक्ला, सांसद कमलेश पासवान, सभी विधायक गण, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, प्रदीप शुक्ल, डा सत्येंद्र सिन्हा, विश्वजीत अंशु सिंह आशु, पुष्पदंत जैन, अस्मिता चंद, केएम मझवार, आदि ने बधाई दी है।

सदस्य की प्रत्याशिता के साथ ही तय हो गई थी अध्यक्ष की दावेदारी- साधना सिंह ने जब वार्ड नंबर 19 से जिला पंचायत सदस्य का पर्चा भरा था, उनकी अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी तभी पुख्ता हो गई थी। पार्टी ने भले ही नाम की घोषणा नामांकन से दो-तीन दिन पहले की हो लेकिन सियासी गलियारे में यह चर्चा जोरों पर थी कि साधना सिंह ही भाजपा की तरफ से अध्यक्ष पद की दावेदार होंगी। अगर साधना सिंह अध्यक्ष निर्वाचित होती हैं तो यह पहला मौका होगा जब गोरखपुर में कोई महिला दूसरी बार जिला पंचायत अध्यक्ष का पद संभालेगी।

जिला पंचायत सदस्यों का रिजल्ट आने के बाद आशातीत परिणाम न मिलने से भाजपा में हलचल मच गई थी। जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए बहुमत साबित करने के लिए 34 सदस्यों की जरूरत थी, लेकिन भाजपाई, कुछ निर्दल और बागियों को मिलाकर भी भाजपा सदस्यों की संख्या 22 से 25 तक ही पहुंच रही थी। ऐसे में सियासत के माहिर खिलाड़ी माने जाने वाले विधायक फतेह बहादुर सिंह पर पार्टी ने दांव लगाया तो उन्होंने बहुत कम समय में यह साबित कर दिया कि वह मैदान में उतरे तो बहुमत का आंकड़ा वह आसानी से पा सकते हैं। विधायक फतेह बहादुर सिंह की पत्नी साधना सिंह 2010 से 2015 के बीच जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी संभाल चुकी हैं।

तो इस बार भी कायम रहेगा रिकार्ड

गोरखपुर में जिला पंचायत के गठन के बाद यहां अध्यक्ष की कुर्सी पर महिलाओं का ही कब्जा रहा है। जिला पंचायत की पहली अध्यक्ष शोभा साहनी, इसके बाद सुभावती पासवान, फिर चिंता यादव, इसके बाद साधना सिंह, और पिछली बार गीतांजलि यादव जिला पंचायत की अध्यक्ष रहीं। साधना सिंह यदि इस बार चुनाव जीतती हैं तो अध्यक्ष पद पर महिलाओं के कायम रहने का रिकार्ड बना रहेगा।

एलजेपी में घमासान के बीच चिराग ने खोला रामविलास पासवान का राज, संघर्ष ने दिलाई जगन मोहन रेड्डी की भी याद

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी में टूट के बाद संकट में फंसे चिराग पासवान ने फिर मुंह खोला है। अब यह लड़ाई सड़क पर आने वाली है। पार्टी के संस्थापक रहे रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान ने विरोध का झंडा थामे अपने चाचा पशुपति पारस के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है। चिराग पूरे बिहार में आशीर्वाद-संघर्ष यात्रा निकालने जा रहे हैं। एलजेपी के चाचा-भतीजा की जंग का परिणाम तो भविष्य बताएगा, लेकिन इसने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के सियासी जंग की भी याद दिला दी है। चिराग के निशाने पर चाचा पशुपति पारस के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी हैं। इस बीच चिराग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बयान दिया है तो पिता रामविलास पासवान का नीतीश कुमार को लेकर एक राज भी खोला है।

चाचा पारस व सीएम नीतीश पर लगाए आरोप- चिराग ने कहा है कि उनके पिता के निधन के बाद चाचा (पशुपति पारस) और भाई (प्रिंस राज) ने पीठ में छुरा घोंपा। चिराग ने परिवार टूटने का दुख जताया, लेकिन इस लड़ाई को सियासी के साथ कानूनी रूप से भी लड़ने की घोषणा की। चिराग ने यह भी कहा कि सन् 2014 में नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की दावेदारी की बात पर एनडीए का साथ छोड़ दिया था, लेकिन सन् 2017 में फिर वापस आकर रातोंरात एनडीए का हिस्सा बन गए थे। इस घटना से पिता रामविलास पासवान विचलित हो गए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सन् 2019 के लोकसभा चुनाव में एलजेपी के छह प्रत्याशियों को हराने की कोशिश का भी आरोप लगाया।

अब आशीर्वाद-संघर्ष यात्रा शुरू करेंगे चिराग- अब चिराग ने बिहार में जनसमर्थन व पार्टी की मजबूती के लिए संघर्ष यात्रा की घोषणा की है। बीते 20 जून को एलजेपी के अपने गुट की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के बाद चिराग पासवान ने मां रीना पासवान के पैर छूकर आशीर्वाद लिया तथा पिता राम विलास पासवान की जयंती पांच जुलाई से शुरू होने वाली अपनी इस यात्रा को आशीर्वाद-संघर्ष यात्रा शुरू करने की घोषणा की। एलजेपी के सांसदों के विरोधी हो जाने के बाद चिराग को अब कार्यकर्ताओं के बल पर पार्टी पर नियंत्रण का भरोसा है। उनकी इस यात्रा ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की प्रजा संकल्प यात्रा की याद दिला दी है।

जगन मोहन रेड्डी व चिराग में कई समानताएं- दरअसल, जगन मोहन रेड्डी और चिराग पासवान की कहानी में कई समानताएं हैं। सन् 2009 में राजनीति में कदम रखने वाले रेड्डी का राजनीतिक जीवन काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। राजनीति में प्रवेश करने के साल ही उनके पिता व कांग्रेस नेता वाईएस राजशेखर रेड्डी की एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई। उम्मीद थी कि कांग्रेस जगन मोहन रेड्डी को पिता की विरासत सौंपेगी, लेकिन रोसैया को आंध्र प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया। इसके बाद साल 2010 में जगन मोहन रेड्डी ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (युवजन श्रमिक रायतू कांग्रेस पार्टी) का गठन किया।

प्रजा संकल्प यात्रा से जीता जनता का भरोसा- वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के तहत रेड्डी की राजनीति संघर्षों के कई दौर से गुजरी। फिर, सन् 2014 में विधानसभा चुनाव में उनकी हार हुई। ठीक उसी तरह, जैसे बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग हार गए। चंद्राबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। रेड्डी ने छह नवंबर 2017 को 40 दिनों की प्रजा संकल्प यात्रा शुरू की। 3648 किलोमीटर की इस पैदल यात्रा में वे रोज सैकड़ों लोगों से मिलते थे। इस हम जगन चाहते हैं, जगन को आना चाहिए का नारा खूब गूंजा था। फिर, सन् 2019 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया। रेड्डी 30 मई, 2019 को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

चिराग की संघर्ष यात्रा से याद आए जगन- अब बात चिराग पासवान की। चिराग सियासत में हैं, लेकिन उनकी एक पके हुए गंभीर राजनेता की छवि बननी शेष है। सन् 2014 तक जगन मोहन रेड्डी की छवि भी ऐसी ही की। रेड्डी ने अपनी संकल्प यात्रा के माध्यम से जनता का भरोसा जीता। अब चिराग पासवान भी संघर्ष यात्रा के माध्यम से न केवल पार्टी पर पकड़ मजबूत करने, बल्कि खुद को नीतीश कुमार के विकल्प के तौर पर भी स्थापित करने की कोशिश करेंगे। यह कोशिश कितना रंग लाएगी, कहा नहीं जा सकता, लेकिन राजनीति में स्थापित होने का उनका संघर्ष जगन मोहन रेड्डी की याद जरूर दिलाता है।

सीएम योगी ने बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद, माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

लखनऊ । जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने इस अवसर पर लखनऊ के सिविल अस्पताल में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री समेत सरकार के कई मंत्री और पदाधिकारी उपस्थित रहे। सीएम योगी ने कहा कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देने और देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं। सिविल अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटा दिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने संविधान में चोरी छिपे धारा 370 को जोड़ने का कुत्सित कार्य किया था तो उसका विरोध डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था। उन्होंने उस वक्त नारा दिया कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। इसके खिलाफ उन्होंने देश में आंदोलन चलाया और एक साजिश का शिकार बने। 1953 में आज ही के दिन उनका महान बलिदान देश की एकता का आधार बना।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर पर लगा अनुछेद-370 का दंश हमेशा के लिए मिट गया। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने करीब चार दशक पहले ही इस सपने को देखा था कि एक विधान, एक निशान और एक प्रधान के लिए ही उन्होंने बालिदान दिया। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद्, भारतीय जनसंघ के संस्थापक और अंत्योदय को देश की प्रगति का आधार मानने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनके चरणों मे कोटि-कोटि वंदन। यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश की एकता और अखंडता के लिए प्रथम बलिदानी योद्धा एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर शत-शत नमन।

बीजेपी सांसद मेनका गांधी और वरुण गांधी संजय गांधी की 41वीं पुण्यतिथि पर नई दिल्ली में उनके स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे।

मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन पर एक बीएमसी स्वास्थ्य कार्यकर्ता कोविड-19 परीक्षण के लिए एक यात्री का स्वाब नमूना एकत्र करती हुई

नदिया जिले में एक कलाकार रथ यात्रा से पहले जगन्नाथ की मूर्ति बनाते हुए।

एक नजर

भारत में बढ़ रहे खतरनाक डेल्टा प्लस वैरिएंट के मामले, महाराष्ट्र समेत इन राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली । देश अभी कोरोना वायरस संक्रमण के डेल्टा वैरिएंट से आई दूसरी लहर से उबर ही रहा है कि डेल्टा प्लस वैरिएंट ने फिर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, अभी देशभर में डेल्टा प्लस वैरिएंट के बेहद कम मामले सामने आए हैं, लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य मंत्रालय सर्तक है। महाराष्ट्र समेत कई राज्यों को अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। सरकारी सूत्र ने बताया कि भारत में कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट के 40 मामले रिपोर्ट किए गए हैं। ज्यादातर मामले महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु के हैं। ये अभी भी वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट है। बता दें कि डेल्टा प्लस', डेल्टा वैरिएंट का विकसित रूप है। डेल्टा वैरिएंट पहली बार भारत में ही पाया गया था। देश में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान वायरस की गिरफ्त में आए ज्यादातर लोग इसी वैरिएंट के शिकार हुए थे। अब वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि डेल्टा वैरिएंट ही विकसित होकर डेल्टा प्लस बन गया है।

अमेरिका-ब्रिटेन में डेल्टा वैरियंए से बढ़ी चिंता- व्हाइट हाउस के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने आगाह किया है कि कोरोना वायरस का बेहद संक्रामक स्वरूप डेल्टा, कोविड-19 महामारी का सफाया करने के अमेरिका के प्रयासों में मुश्किल खड़ी कर सकता है। फाउची ने कहा कि अमेरिका में सामने आने वाले कोविड-19 के नए मामलों में से 20 फीसदी से अधिक में संक्रमण की वजह डेल्टा स्वरूप है। दो हफ्ते पहले तक नए मामलों में से दस फीसदी में यह स्वरूप पाया गया था। वहीं ब्रिटेन में डेल्टा वैरियंट पूरी तरह से हावी हो चुका है और यहां सबसे पहले सामने आए अल्फा स्वरूप के मुकाबले अधिक फैल चुका है। यहां 90 फीसदी से अधिक नए मामलों की वजह डेल्टा स्वरूप है। इसने सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

एससीओ बैठक में आज आमने-सामने होंगे भारत और पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

नई दिल्ली । लंबे समय के बाद भारत और पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहाकारों की बुधवार को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में शुरू होने वाले शंघाई कोआपरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) में होगी। इस बैठक में मुख्य रूप से अफगानिस्तान में शांति बहाली पर चर्चा होनी है।इसमें भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के समकक्ष पाकिस्तान के मोईद यूसुफ शामिल हो रहे हैं। हालांकि भारत की तरफ से दो दिवसीय इस बैठक के दौरान में अजित डोवाल की पाकिस्तान के एनएसए से किसी तरह की द्विपक्षीय बैठक साफ इनकार किया गया है। वहीं पाकिस्तान के एनएसए ने भी दोनों के बीच बातचीत की संभावना से साफ इनकार किया है। हालांकि वो इस सम्मेलन के दौरान रूस, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गीस्तान, कजाखिस्तान और चीन के एनएसए से वार्ता करेंगे। वहीं भारत के एनएसए की रूस के एनएसए से बातचीत होनी तय है। इसके लिए करीब ढाई घंटे का शड्यूल भी तय किया गया है। इसी वर्ष मार्च और अप्रैल में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की दुशांबे में हार्ट ऑफ एशिया की बैठक में मुलाकात हुई थी। हालांकि उस वक्त भी दोनों के बीच किसी तरह की औपचारिक द्विपक्षीय बातचीत नहीं हुई थी। बता दें कि फरवरी से ही दोनों देशों के बीच सीजफायर लागू है। आपको बता दें कि एससीओ के आठ सदस्य देश हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान रूस, किर्गीस्तान, कजाखिस्तान, ताजिकिस्तान, चीन और उजबेकिस्तान शामिल हैं। भारत और पाकिस्तान को वर्ष 2017 में इसका पूर्ण सदस्य बनाया गया था। नवंबर 2020 में इस संगठन की बैठक की मेजबानी भारत ने की थी। 2021 के लिए इसकी अध्यक्षता ताजिकिस्तान के पास है। मौजूदा समय में होने वाली एससीओ की बैठक इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि हाल के कुछ दिनों में अफगानिस्तान को लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच काफी कड़वाहट देखने को मिली है। दोनों ही तरफ से एक दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोपों का दौर जारी है। खास बात ये भी है कि इस दौर की शुरुआत कहीं न कहीं भारत के अफगानिस्तान को लेकिन हो रही शांति वार्ता का एक अहम सदस्य बनने के बाद ही हुई है।

बाहरी को पीने की छूट तो गुजराती को क्यों नहीं, शराबबंदी का मामला फिर पहुंचा हाईकोर्ट

अहमदाबाद । गुजरात में शराबबंदी को लेकर एक बार फिर मामला उच्च न्यायालय पहुंचा। शराबबंदी को जहां निजता व समान हक विरोधी बताया गया है वहीं सरकार का कहना है कि 1951 में उच्चतम न्यायालय ने शराबबंदी को मान्यता दी तथा गांधीजी के नशामुक्ति के ध्येय को पूरा करने के लिए गुजरात में शराबबंदी जरूरी है। गुजरात उच्च न्यायालय में शराबबंदी के विरोध में 5 याचिकाएं दाखिल की है जबकि इसके समर्थन में तीन याचिकाएं लगाई गई है। मुख्य न्यायाधीश विक्रम नाथ तथा न्यायाधीश बीरेन वैष्णव की खंडपीठ में चल रही शराबबंदी पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बताया कि 70 साल से गुजरात में शराबबंदी है जबकि देश के अन्य कई राज्यों में ऐसा नहीं है।

निजता का हनन- शराबबंदी गुजरात के लोगों की निजता का हनन है तथा संविधान प्रदत्त समान हक की विरोधी है। राज्य में मेडिकल के आधार पर 31 हजार परमिट दिए गए जबकि पर्यटक एवं विजिटर्स को 66 हजार काम चलाऊ परमिट दिए गए हैं। अगर पर्यटकों एवं बाहर से आने वालों को गुजरात में शराब पीने की छूट है तो फिर गुजरात के लोगों को शराब का सेवन करने के अधिकार से क्यों रोका जा रहा है। शराबबंदी का विरोध करने वाले सभी याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट मिहिर ठाकोर का कहना है कि गुजरात के लोगों को अपनी चारदीवारी के भीतर कुछ भी खाने-पीने का अधिकार है। घर में बैठकर कोई व्यक्ति क्या खाता पीता है इसमें सरकार का दखल नहीं हो सकता है। शराबबंदी कानून के कारण पुलिस लोगों के घर अन्य जगहों पर छापे डालती है जो उनकी निजता का भी हनन है। अगर गुजरात से बाहर के लोग यहां आकर शराब का सेवन कर सकते हैं तो गुजरात के ही लोगों को इससे वंचित कैसे रखा जा सकता है।

राज्य सरकार के महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने बताया कि मुंबई प्रोहिबिशन एक्ट 1949 के तहत उच्चतम न्यायालय ने 1951 में गुजरात में शराबबंदी को जायज ठहराया था इसलिए सरकार के इस कानून को लेकर कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। महात्मा गांधी जी के नशा मुक्ति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हैं गुजरात में शराब बंदी लागू है जिसे यथावत रखा जाना चाहिए। स्टेट ऑफ बॉम्बे विरुद्ध एफ एन बलासारा केस की सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने 1951 में ही इसे बहाल रखा था। राज्य की पौने 7 करोड़ लोगों की आबादी में महज 31000 को ही शराब का परमिट दिया गया है।

जोधपुर जिले के लोहावट विधायक से वीडियो कॉल पर हुई अश्लील हरकत, मामला दर्ज कर युवकों को भेज जेल

जोधपुर । जोधपुर जिले के लोहावट विधानसभा से विधायक किशनाराम बिश्नोई के साथ वीडियो कॉल पर अश्लील हरकत का स्क्रीन शॉट वायरल कर ब्लैकमेलिंग का प्रयास में दो युवकों को पकड़ा है। दोनों स्थानीय युवक बताए जा रहे है, जिन्होंने ब्लेकमेलिग की नीयत से ही काल किया था। घटना वैसे तो एक महीना पहले हुई थी, लेकिन इस घटना के बाद उनके परिवार तथा उनके यहां कार्यरत कर्मचारियों को युवकों द्वारा लगातार फोन किया जा रहे था। युवक उन्हें ब्लैकमेल करने का प्रयास कर रहा था जिसके बाद उन्होंने उसके नम्बर पुलिस को दे दिए।

पुलिस ने शिकायत मिलने के साथ ही युवकों को। पकड़ लिया जिसके बाद इनको कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। लोहावट विधायक को एक युवक ने वीडियो कॉल कर अश्लील हरकत का स्क्रीन शॉट लेकर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। इस पर विधायक ने पुलिस में इन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए दो लोगों को पकड़ा। इस वीडियो कॉल की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल लोहावट विधायक किशनाराम ने बताया कि वे अपने मोबाइल पर आने वाली सभी कॉल खुद अटैंड करते हैं। ऐसे में महीने भर पहले एक रात को किसी का वीडियो कॉल आया था।

उन्होंने बताया कि युवक ने बात करते-करते अचानक अश्लील हरकत की। जब

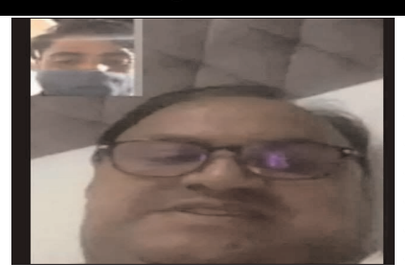

तक वह फोन काटते तब तक युवक ने स्क्रीन शॉट ले लिया। विधायक ने इसे सामान्य घटना समझकर इस पर विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन इस घटना के बाद उनके परिवार तथा उनके यहां कार्यरत कर्मचारियों के पास युवक लगातार फोन कर रहे थे। लोहावट थानाधिकारी इमरान खान ने बताया कि विधायक की शिकायत पर इस मामले में आरोपी रामनिवास विश्नोई तथा मनीष विश्नोई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कोर्ट के समक्ष पेश किया जहां से दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया ।

शौक पूरा करने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर मां के ही गहने किये चोरी- जोधपुर में कलयुगी बेटे ने अपने शौक पूरे करने के लिए अपनी ही मां के गहने दोस्तो के साथ मिल कर चुराए और बेच दिए। कलयुगी बेटे और उसके बिगड़ैल बेटे के खिलाफ पिता ने ही चोरी का मामला दर्ज कराया है । जोधपुर के मगरा पूंजला स्थित राजीव गांधी कॉलोनी निवासी हनुमानराम विश्नोई ने मंडोर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा दिलखुश अपने तीन दोस्तों दिनेश, महिपालसिंह व अशोक के साथ मिलकर मेरे घर से पांच तोला वजनी सोने की रखड़ी चुरा कर ले गया।

इसके अलावा कुछ नगदी भी गायब है। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट पर पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।बताया जा रहा है कि युवक को नशे की लत लगी हुई है । ऐसे में अपने दोस्तों के साथ नशे का शौक पूरा करने के लिए उसने करीब ढाई लाख रुपए मूल्य की अपनी मां की सोने की रखड़ी चुरा ली और बाजार में औने पौने दाम में बेच दिया।

अनुच्छेद 370 की बहाली तक नहीं लड़ूंगी कोई चुनाव, पीएम मोदी संग बैठक से पहले बोलीं महबूबा मुफ्ती

नई दिल्ली । गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बुलाई बैठक में हिस्सा लेने से पहले जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर से पाकिस्तान से वार्ता और अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग की है। उन्होंने कहा है कि अगर सरकार दोहा में तालिबान से बात कर सकती है तो वह अपने लोगों से बात क्यों नहीं कर सकती। इतना ही नहीं महबूबा ने यह भी कहा कि कश्मीर में एक साधारण आम आदमी को भी आतंकवादी की तरह देखा जाता है।

महबूबा मुफ्ती ने हमारे सहयोगी हिन्दुस्तान टाइम्स से एक्सक्लूसिव बातचीत में कहा, नरेंद्र मोदी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि वह देश के प्रधानमंत्री हैं और मैं अपना भरोसा प्रधानमंत्री पद पर दिखा रही हूं। अगस्त 2019 में जो भी हुआ वह अस्वीकार्य है। राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को असंवैधानिक तौर पर हटाया गया। यह एक पुल था जिसके रास्ते में हमारी भावनाएं बाकी भारत के साथ जुड़ी थीं। हम इससे कम पर कुछ नहीं मानेंगे। हम अनुच्छेद 370 की बहाली चाहते हैं। महबूबा ने आगे यह भी कहा कि यह देश बीजेपी के घोषणापत्र से नहीं बल्कि संविधान से चलेगा। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट बता रही हूं कि अगर अनुच्छेद 370 और 35ए बहाल नहीं किए जाते तो मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी। यह तय है।

महबूबा ने कहा, आप अगर अपना मुंह खोलेंगे तो आप पर नागरिक सुरक्षा कानून के तहत केस दर्ज किया जाएगा। अगर सरकार तालिबान से बात करने दोहा जा सकती है तो फिर वह अपने लोगों से बात क्यों नहीं कर सकती? कश्मीर में, एक आम आदमी के साथ भी आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जाता है। अगस्त 2019 में जो हुआ उस फैसले को वापस लेना चाहिए। बता दें कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर के विशेष राज्य के दर्जे को खत्म कर के इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया था।

कोरोना वैक्सीन लगवाएं और इस एयरलाइंस में टिकट पर पाएं 10 फीसद की छूट, 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए ऑफर

नई दिल्ली । कोरोना टीकाकरण कराने के लिए लोगों को प्रेरित करने के मकसद से प्राइवेट कंपनियां और बड़े ब्रांड्स उपभोक्ताओं को तरह-तरह के ऑफर दे रही हैं। इसी कड़ी में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी एक पहल की है। एक बयान के अनुसार इंडिगो बुधवार से उन सभी यात्रियों को 10 फीसद की छूट देगी, जिन्होंने कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक डोज ले ली है। यह छूट बेस फेयर पर दी जाएगी और इस ऑफर के तहत केवल सीमित इन्वेंट्री उपलब्ध है। एयरलाइन ने बयान में कहा कि यह ऑफर केवल 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के यात्रियों के लिए उपलब्ध है, जो कोरोना टीकाकरण करा चुके हैं या एक डोज ले चुके हैं। इसके अलावा बुकिंग के समय पैसेंजर को भारत में होना भी जरूरी है। ऑफर का लाभ उठाने के लिए

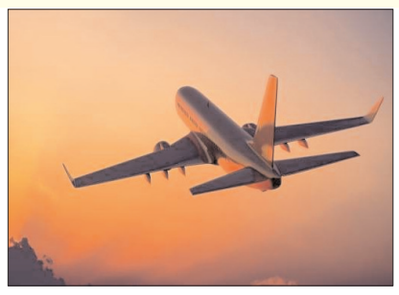

यात्रियों को हवाई अड्डे के चेक-इन काउंटर के साथ-साथ बोर्डिंग गेट पर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किया गया वैध कोरोना टीकाकरण प्रमाणपत्र दिखाना आवश्यक होगा। इसके अलावा वे हवाई अड्डे के चेक-इन काउंटर/बोर्डिंग गेट पर आरोग्य सेतु मोबाइल एप्लिकेशन पर वैक्सिनेशन को लेकर अपनी स्टेटस दिखानी होगी।

इंडिगो के मुख्य रणनीति और राजस्व अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि देश में सबसे बड़ी एयरलाइन होने के नाते, हमें लगता है कि इस सामान्य लक्ष्य के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रोत्साहित करके राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान में योगदान देना हमारी जिम्मेदारी है। अप्रैल-मई के दौरान भारत कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। फिलहाल देश में स्थिति काबू में है और मामले इस समय घट रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना के 50 हजार 848 केस सामने आए। मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास 2.14 करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन की खुराक अभी भी उपलब्ध हैं और वैक्सीन की 33,80,590 से अधिक खुराक पाइपलाइन में हैं और राज्यों के यह अगले तीन दिनके भीतर प्राप्त हो जाएगी।

भारत और श्रीलंका के तटरक्षकों ने सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर की बैठक

नई दिल्ली । भारत और श्रीलंका के तटरक्षकों ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक की। दोनों देशों के तटरक्षकों ने तलाशी एवं बचाव अभियान, समुद्र में अंतरदेशीय अपराधों से मुकाबला और हिंद महासागर में समुद्री पर्यावरण के संरक्षण समेत विभिन्न समुद्री मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की।

भारतीय तटरक्षक ने ट्विटर पर कहा है कि दोनों देशों भारत और श्रीलंका के तटरक्षकों के बीच एमओयू के प्रविधानों के तहत पांचवीं उच्चस्तरीय बैठक हुई। भारतीय तटरक्षक के महानिदेशक के. नटराजन और श्रीलंका तटरक्षक के महानिदेशक रियर एडमिरल अनुरा एकनायके ने बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की।

कुछ दिन पहले भारतीय नौसेना के एक शीर्ष अधिकारी ने अहम बयान दिया था। श्रीलंका में चीनी नौसेना को नई बंदरगाह परियोजनाएं मिलने पर उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि यह क्षेत्र में भारतीय हितों के लिए खतरा हो सकता है और इस तरह की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने की आवश्यकता है। न्यूज एजेंसी एएनआइ के साथ एक इंटरव्यू में नौसेना के वाइस चीफ वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार ने कहा था कि भारतीय नौसेना देश की समुद्री सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या श्रीलंका में बंदरगाह पर चीन के कब्जा से भारत को खतरा हो सकता है इस पर जवाब देते हुए अधिकारी ने कहा कि यदि आप विश्लेषण करना चाहते हैं कि यह खतरा है या नहीं, तो यह एक बहुत ही कठिन सवाल है। इस क्षेत्र से उनके अधिकांश ऊर्जा स्रोत गुजरते हैं ऐसे में उनके पास ऐसा करने के लिए तर्कसंगत कारण हो सकता है। इसके बावजूद अगर कोई बाहरी इस क्षेत्र में इतनी रुचि दिखाना शुरू कर देता है तो यह हमारे लिए खतरा पैदा कर सकता है। हमें केवल यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि समुद्री सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए करीब से नजर रखी जाए।

ब्रिटेन ने नियुक्त किया भारतीय नौसेना के इंफार्मेशन फ्यूजन सेंटर में संपर्क अधिकारी

नई दिल्ली । द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को लेकर भारत और ब्रिटेन के बीच प्रगाढ़ता और बढ़ गई है। ब्रिटेन ने हिंद महासागर में चीन की सक्रियता को देखते हुए मंगलवार को भारतीय नौसेना के इंफार्मेशन फ्यूजन सेंटर (आइएफसी) में एक संपर्क अधिकारी की नियुक्ति कर दी। आइएफसी हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा सूचना का एक प्रमुख केंद्र है।

ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा है कि ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय संपर्क अधिकारी (आइएलओ) ने भारतीय नौसेना के इंफार्मेशन फ्यूजन सेंटर-हिंद महासागर क्षेत्र (आइएफसी-आइओआर) में अपना कार्यभार संभाल लिया है। भारतीय नौसेना ने 2018 में आइएफसी-आइओआर की स्थापना की थी, ताकि समान विचारधारा वाले देशों के साथ इस क्षेत्र में पोतों के आवागमन के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर प्रभावी ढंग से नजर रखी जा सके। विमानवाहक पोत एचएमएस क्वीन एलिजाबेथ के नेतृत्व में ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की भारत की निर्धारित यात्रा से पहले इस सेंटर में अधिकारी की नियुक्त की गई है। उच्चायोग के अनुसार, लेफ्टिनेंट कमांडर स्टीफन स्मिथ इस सेंटर में पूर्णकालिक काम करेंगे। वह भारतीय सशस्त्र बलों तथा साझेदार देशों के सहयोगी संपर्क अधिकारियों के साथ मिल कर काम करेंगे। ब्रिटिश नौसेना के प्रमुख एडमिरल टोनी राडाकिन ने इसे भारत और ब्रिटेन द्वारा समुद्री क्षेत्र में जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। आस्ट्रेलिया ने फरवरी में इस सेंटर में अपना संपर्क अधिकारी नियुक्त किया था।

24 जून को आसमान में दिखेगा स्ट्राबेरी मून, जानें इस अनोखी खगोलीय घटना के बारे में सबकुछ

नई दिल्ली । स्ट्राबेरी मून , इस साल 24 जून को ग्रीष्म संक्राति के बाद की पहली पूर्णिमा है और इस दिन एक अनोखी खगोलीय घटना आसमान मेंदिखाई देगी। 24 जून में आसमान में चंद्रमा(चांद) स्ट्रॉबेरी के रंग में दिखाई देगा। इस अनोखी खगोलीय घटना को स्ट्राबेरी मून कहा जाता है। इस दिनचांद आकार में बड़ा और थोड़ा-थोड़ा स्ट्राबेरी की तरह गुलाबी रंग का दिखाई पड़ेगा। जून में पूर्णिमा के दिन निकलने वाले इस चांद को स्ट्राबेरी मूनकहते हैं। किसी-किसी जगह पर इसे हॉट मून या हनी मून भी कहा जाता है।

क्या होगा खास - चंद्रमा अपनी कक्षा में पृथ्वी से निकटता के कारण अपने सामान्य आकार से काफी बड़ा दिखाई देगा, तब इसे स्ट्राबेरी मून कहेंगे। इस पूर्णिमा के चांद को स्ट्राबेरी मून कहा जाता है।

कहां से नाम आया स्ट्राबेरी मून- स्ट्राबेरी मून का नाम दरअसल प्राचीन अमेरिकी जनजातियों से नाम मिला है, जिन्होंने स्ट्राबेरी के लिए कटाई के मौसम की शुरुआत के साथ पूर्णिमा को चिन्हित किया था। दरअसल, स्ट्राबेरी मून एक स्थानीय अमेरिकी नाम है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नाम से जाना जाता है। यूरोप में स्ट्राबेरी मून को रोज मून कहते हैं, जो गुलाब की कटाई का प्रतीक है। उत्तरी गोलार्ध में इसे गर्म चंद्रमा कहा जाता है क्योंकि यह भूमध्य रेखा के उत्तर में गर्मी के मौसम की शुरुआत करता है। इसे वहां गर्मी की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। स्ट्राबेरी मून आमतौर पर वसंत की आखिरी पूर्णिमा या गर्मियों की पहली तारीख को दिखता है। इसे ब्लूमिंग मून, ग्रीन कॉर्न मून, होर मून, बर्थ मून, अंडे देने वाला मून और हैचिंग मून, हनी मून और मीड मून भी कहा जाता है। स्ट्राबेरी मून एक रात से अधिक समय तक दिखाई देगा।

हाल ही में दिखी हैं कई खगोलीय घटनाएं- हाल ही के दिनों में कई खगोलीय घटनाएं देखने को मिली है। बीते दिनों सुपर मून, ब्लड मून, चंद्र ग्रहण और फिर रिंग ऑफ फायर यानि सूर्य ग्रहण दिखाई दिया था। अब 24 जून में स्ट्राबेरी मून भी बहुत खास होगा। हिंदू पंचांग के मुताबिक स्ट्राबेरी मून वसंत ऋतु की अंतिम पूर्णिमा और ग्रीष्म ऋतु की पहली पूर्णिमा का प्रतीक है।

भारत में कोरोना वायरस के एक्टिव केस 82 दिनों में सबसे कम, 24 घंटों में मिले 50,848 संक्रमित

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के एक्टिव केस 82 दिनों में सबसे कम दर्ज किए हैं जो देश में महामारी की दूसरी लहर के धीमा पड़ने का सबसे बड़ा संकेत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अभी देश में 6,43,194 सक्रिय कोरोना संक्रमित हैं जिनका इलाज जारी है। इसके अलावा संक्रमण से स्वस्थ होने का दर भी बढ़कर 96.56 फीसद हो गया है। मंत्रालय के अनुसार रोज आने वाला संक्रमण दर अभी मात्र 2.67 फीसद है।

छठे दिन मौतों का आंकड़ा दो हजार से कम- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटों में कोविड-19 के 50,848 नए मामले सामने आए और 1358 संक्रमितों की मौत हो गई। ये छठा दिन है जब मौतों का आंकड़ा 2000 से नीचे रहा साथ ही यह 16वां दिन है जब 1 लाख से कम नए मामलों की पहचान हुई है। अब तक देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 3,00,28,709 पर पहुंच चुका है और मरने वालों की संख्या 3,90,660 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार, अब तक कोरोना को मात देने वालों का आंकड़ा 2,89,94,855 है जिसमें से 68,817 संक्रमितों 24 घंटों में डिस्चार्ज किया गया। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 19,01,056 सैंपल टेस्ट किए गए, कल तक कुल 39,59,73,198 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

अमेरिका के बाद भारत दुनिया का दूसरा देश बन गया जहां 3 करोड़ से अधिक संक्रमित हैं। पिछले 50 दिनों में ही भारत में 1 करोड़ कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ गए। 3 मई को भारत में संक्रमितों का कुल आंकड़ा 2 करोड़ के पार चला गया। 19 दिसंबर को भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों का आंकड़ा 1 करोड़ के पार चला गया था जिसके बाद इसे 2 करोड़ तक पहुचने में 136 दिन का समय लगा। 23 मार्च को भारत में 47,262 संक्रमित मिले जबकि 22 जून को 42,640 कोरोना के मामले आए। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस की 54,24,374 वैक्सीन लगाई गईं, जिसके बाद कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा 29,46,39,511 हो गया है।

भारत बायोटेक की डब्ल्यूएचओ के साथ बैठक, कोवैक्सीन को मान्यता देने पर होगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत के स्वदेशी कोरोनारोधी टीके कोवैक्सीन को मान्यता दिए जाने के मुद्दे पर आज विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ भारत बायोटेक की बैठक होगी। इस बैठक में स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सिन के आपातकालीन उपयोग सूची (ईयूएल) के लिए मूल्यांकन किया जाएगा। डब्ल्यूएचओ से मान्यता मिल जाने पर इस टीके को लगवाने वाले लोगों को विदेश जाने में सहूलियत होगी। इसके साथ ही इस टीके के निर्यात का भी रास्ता खुलेगा।

कोवैक्सीन को भारत बायोटेक ने आइसीएमआर के साथ मिलकर विकसित किया है। यह भारत में बनी पहली स्वदेशी वैक्सीन है। भारत में अभी कोरोना के खिलाफ तीन वैक्सीनों का इस्तेमाल हो रहा है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन भी इनमें से एक है। दूसरी वैक्सीन कोविशील्ड लगाई जा रही है। इसको आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और एस्ट्राजेनेका ने बनाया है, जिसका उत्पादन सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया कर रहा है। इसके अलावा रूस की स्पुतनिक-वी वैक्सीन भी लगाई जा रही है।भारत बायोटेक की कोवैक्सीन तीसरे चरण में 77.8 फीसद प्रभावी पाई गई है। कंपनी ने पिछले हफ्ते ही ट्रायल का डेटा ड्रग कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया को सौंपा था। मंगलवार को सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने वैक्सीन के फेज तीन के ट्रायल के डेटा को मंजूरी दे दी। भारत बायोटेक की तरफ से केंद्र सरकार की कमेटी को यह रिपोर्ट सौंपी गई है। एसइसी की मंजूरी के बाद इस डेटा को अब डब्ल्यूएचओ को भी भेजा जा सकेगा।

भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का डेटा अभी तक पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, पीयर-रिव्यू जर्नल में प्रकाशित नहीं हुआ है। भारत बायोटेक ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि दवा नियामक को प्रस्तुत करने के बाद और लगभग तीन महीने की समय सीमा के भीतर इस डेटा का प्रकाशन होगा।

रिया चक्रवर्ती ने मांगी अपने पिता से माफी, जानिए क्या है वजह

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) ने एक सोशल मीडिया पोस्ट करके अपने पिता को Father's Day की शुभकामनाएं दी हैं. लंबे वक्त तक सोशल मीडिया के गायब रहीं रिया अब धीरे-धीरे करके इंस्टाग्राम पर वापसी करने लगी हैं. वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी चीजें शेयर करती रहती हैं और अब ऐसा लगता है कि धीरे-धीरे फिर एक बार उनकी जिंदगी पटरी पर आनी शुरू हो गई है.

फादर्ड डे पर पिता से मांगी माफी

बात करें रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) द्वारा फादर्स डे पर की गई पोस्ट के बारे में तो इसमें उन्होंने पिता के साथ अपने बचपन की एक तस्वीर शेयर की है. होली के मौके पर क्लिक की गई इस तस्वीर में रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) और उनके पिता एक साथ नजर आ रहे हैं. रिया के पिता ने उन्हें गोद में उठाया हुआ है और दोनों के चेहरों पर गुलाल लगा हुआ है.

मिष्ठी है रिया के घर का नाम

इस तस्वीर को शेयर करते हुए रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) ने लिखा, मेरे पिता को फादर्स डे की शुभकामनाएं. मैं आपकी ही छवि हूं. आप मेरी प्रेरणा हो. मैं आपसे माफी मांगती हूं पापा क्योंकि हमारे लिए वक्त अच्छा नहीं रहा है. लेकिन मुझे आपकी बेटी होने पर फक्र है. मेरे पिता सबसे ज्यादा मजबूत हैं. लव यू पापा. मिष्ठी. इस कैप्शन के साथ रिया ने हैश टैग में फौजी की बेटी लिखा है.

विवादों में रही थीं रिया चक्रवर्ती

तस्वीर को कुछ ही देर में 4 लाख से ज्यादा बार लाइक किया गया है. बता दें कि रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) बीते काफी वक्त तक विवादों में रही हैं. एक्टर सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की मौत के बाद उनके पिता ने रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) के खिलाफ स्न्ह्वक्रदर्ज कराई थी जिसके बाद रिया को लगातार पूछताछ और सुनवाइयों का हिस्सा बनना पड़ा. इसके अलावा उन्हें मीडिया ट्रायल का भी सामना करना पड़ा जिससे वह बुरी तरह टूट गई थीं.

जब आंखों में ग्लिसरीन लगाकर अनुष्का शर्मा ने की रोने की एक्टिंग, वायरल हो रहा

सुपरस्टार शाहरुख खान (Shah Rukh Khan) के साथ फिल्मरब ने बना दी जोड़ी' (Rab ne bana di Jodi) के जरिए डेब्यू करने वाली अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) ने काफी कम वक्त में खुद को साबित करके दिखाया. उन्होंने एक के बाद एक कई जबरदस्त फिल्में दीं और सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं. भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली (Virat Kohli) की पत्नी अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) का एक पुराना वीडियो इंटरनेट पर रीसर्फेस हो गया है.

ग्लिसरीन लगाकर रोने लगीं अनुष्का

इस वीडियो में अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) आंखों में ग्लिसरीन लगाकर रोने की एक्टिंग करती नजर आ रही हैं. वीडियो तब का है जब अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) एक्टिंग क्लासेस लिया करती थीं और सीखा करती थीं कि किस तरह किसी सीन को ज्यादा से ज्यादा वास्तविक बनाया जा सके. वीडियो तब का है जब अनुष्का कोई बड़ी स्टार नहीं थीं, बल्कि उन्होंने अपना बॉलीवुड डेब्यू भी नहीं किया था.

कैसा था अनुष्का शर्मा का लुक

वीडियो में अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) फुल स्लीव वाली ब्लैक टॉप और पीच स्कर्ट पहने नजर आ रही हैं. वीडियो में अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) ने मिनिमल मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा हुआ है. वीडियो में अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) अपनी क्लासमेट के साथ खड़ी नजर आ रही हैं और उनके टीचर उन्हें बता रहे हैं कि किस तरह उन्हें ये सीन परफॉर्म करना है.

माथा पकड़कर बैठ गईं अनुष्का शर्मा

हालांकि जब बात इस इमोशनल सीन को करने की आती है तो एक्ट्रेस आंखों में ग्लिसरीन लगाती हैं. आंखों में ग्लिसरीन लगाते ही अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) को जोर की जलन होती है और वह माथा पकड़कर वहीं बैठ जाती हैं. वीडियो में थोड़ा सा कट आता है और उसके बात अनुष्का अगला सीन परफॉर्म करती नजर आती हैं. बता दें कि अनुष्का ने इंडस्ट्री में न सिर्फ खुद को एक कामयाब एक्ट्रेस के तौर पर साबित किया है बल्कि उनका प्रोडक्शन हाउस भी अब तक कई सुपरहिट फिल्में दे चुका है.

अच्छी फोटो खिंचवाने के लिए पानी के बीच ऐसे मेहनत करते दिखीं सनी लियोनी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी (Sunny Leone) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन अपनी तस्वीरें व वीडियो शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपना एक नया वीडियो शेयर किया है जिसमें वह नाव में बैठकर फोटोशूट कराती नजर आ रही हैं. वीडियो में सनी लियोनी (Sunny Leone) पिंक कलर की काफी रिवीलिंग ड्रेस पहनकर नाव में बैठी नजर आ रही हैं और कैमरा की तरफ देखकर पोज देती नजर आ रही हैं.

नाव में करा रही थीं फोटोशूट

सनी लियोनी (Sunny Leone) पानी के बीच नाव में बैठकर इस खूबसूरत लोकेशन पर इतनी मेहनत कर रही हैं ताकि उन्हें अच्छी तस्वीरें और अच्छा शॉट मिल सके. इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- एक शानदार फोटो पाने के लिए कुछ भी करूंगी. फोटो को शेयर किए जाने के कुछ ही घंटे के भीतर 6 लाख से ज्यादा लोग इसे लाइक और शेयर कर चुके हैं.

इस शो को करती हैं होस्ट

बता दें कि सनी लियोनी (Sunny Leone) इन दिनों फिल्मों में कम ही नजर आ रही हैं और वह एमटीवी के रियलिटी टीवी शो स्पलिट्सविला की शूटिंग में बिजी हैं. जहां तक बात है उनकी आने वाली फिल्मों की तो वह जल्द ही साउथ की कुछ फिल्मों में काम करती नजर आएंगी. बता दें कि सनी लियोनी स्पलिट्सविला को होस्ट रणविजय सिंह (Ranvijay Singh) के साथ होस्ट करती हैं.

कैसा है फैंस का रिएक्शन ?

सनी लियोनी (Sunny Leone) के नाव वाले वीडियो पर फैंस के रिएक्शन की बात करें तो फैंस उनके इस अंदाज के दीवाने होते नजर आए. एक यूजर ने जहां सनी लियोनी (Sunny Leone) के इस वीडियो को शानदार बताया है तो वहीं दूसरे ने सनी के लुक पर लिखा- दमदार लुक. तमाम अन्य सोशल मीडिया यूजर्स ने सनी लियोनी के वीडियो पर इमोजी बनाकर रिएक्शन दिए हैं.

आयुष्मान खुराना ने खोला अपने नाम से जुड़ा सीक्रेट, बताया क्यों है स्पेलिंग में ऐसा अजीब बदलाव

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) ने रविवार को फादर्स डे पर एक पोस्ट लिखी है. इस पोस्ट में आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) के पिता पी. खुराना नजर आ रहे हैं. मालूम हो कि आयुष्मान के पिता एक ज्योतिष हैं और आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) हमेशा ही अपनी कामयाबी का श्रेय अपने पिता को देते रहे हैं. आज फादर्स डे के मौके पर इमोशनल पोस्ट लिखते हुए आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) ने अपने नाम के पीछे का सीक्रेट बताया है.

पिता से मिला है ये अनुशासन

आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) ने जो फोटो शेयर की है उसमें उनके पिता हारमोनियम के साथ परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं. इस फोटो के साथ कैप्शन में आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) ने लिखा, बचपन में पापा की लगाई पाबंदियों को तोड़ने में बहुत मजा आता था. अब बड़े होकर खुद पर लगाई पाबंदियां तोड़ी नहीं जातीं. ये हमें उन्हीं की वजह से मिला है. अनुशासन.

आयुष्मान खुराना ने बताया सीक्रेट

म्यूजिक, कविताओं, फिल्म और आर्ट के प्रति लगाव. उन्होंने कानून की पढ़ाई की थी लेकिन उनका मन हमेशा एस्ट्रॉलजी में लगता था. मेरे नाम में डबल ह और डबल क्रके पीछे वही कारण हैं. उन्होंने हमें बताया कि किस तरह हम खुद अपनी किस्मत को तराश सकते हैं. हमारे कर्म हमारी तकदीरों को चमत्कारिक ढंग से बदल सकते हैं. मेरे दोस्त, दार्शनिक और गाइड. मेरे पिता.

बदली हुई है नाम की स्पेलिंग

अपनी इस पोस्ट के बाद आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) ने एक दिल वाला और हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी बनाया है. बता दें कि आयुष्मान खुराना (Ayushmann Khurrana) अपने नाम में डबल एन और डबल आर इस्तेमाल करते हैं. आयुष्मान के पिता ज्योतिष हैं और उन्होंने ने ही अपने बेटे को ऐसा करने की सलाह दी थी जिसे एक्टर आज तक मानते हैं.

न्यूजीलैंड पहली बार टेस्ट में वर्ल्ड चैंपियन

खिताबी मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हराया, टेलर व विलियम्सन की शानदार पारी ने छीना भारत के हाथ से कप

विलियम्सन के नेतृत्व में शिखर पर न्यूजीलैंड का टेस्ट क्रिकेट

साउथम्पटन। न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया और करोड़ों भारतीयों का खिताबी सपना तोड़ दिया। उसने बारिश की वजह से रिजर्व डे तक खींचे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में भारत को 8 विकेट से हरा दिया। भारत से दूसरी पारी के आधार पर 139 रनों का आसान लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 45.5 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 140 रन बनाकर पहला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियन बनाने का गौरव हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड ने इसके साथ ही डब्ल्यूटीसी जीतने वाली पहली टीम होने का गौरव अपने नाम कर लिया है। आर. अश्विन ने दोनों ओपनरों को आउट जरूर किया, लेकिन रोस टेलर और केन विलियम्सन ने दीवार बनते हुए भारत को हार के लिए मजबूर कर दिया। केन विलियम्सन ने 89 गेंदों में 8 चौके की मदद से रन नाबाद 52 बनाए, जबकि रोस टेलर के नाम 100 गेंदों में 6 चौके की मदद से नाबाद 47 रन रहे। इन दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए मैच विनिंग 96 रनों की साझेदारी हुई। 139 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम संभलकर शुरुआत की। टॉम लाथम और डेवोन कॉनवे की जोड़ी ने 33 रन जोड़े। यहां टीम इंडिया को शुरुआती विकेट की जरूरत थी, लेकिन दोनों ने 13 ओवर तक उसे विकेट से दूर रखा। रविचंद्रन अश्विन ने हालांकि 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर टॉम लाथम (9) को ऋषभ पंत के हाथों स्टंप्स कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने इसके बाद दूसरे ओपनर डेवोन कॉनवे (19) को भी अपना शिकार बनाया। यहां न्यूजीलैंड अश्विन के सामने कुछ दबाव में जरूर दिखाई दी, लेकिन कीवी टेस्ट इतिहास के दो सबसे सफल बल्लेबाज रोस टेलर और केन विलियम्सन ने मोर्चा संभाला और रन गति बढ़ दी। खासकर टेलर ने आक्रामक बैटिंग करते हुए दबाव हटाने में प्रमुख भूमिका निभाई। न्यूज़ीलैंड का यह पहला विश्व टेस्ट खिताब है। केन विलियम्सन ने इस जीत के साथ विराट कोहली का पहला आईसीसी खिताब जीतने का सपना तोड़ दिया। विराट को 2019 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। भारत का 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद अगला आईसीसी खिताब जीतने का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है।

दूसरी पारी में नाकाम साबित हुए भारतीय बल्लेबाज

इससे पहले भारतीय बल्लेबाजी क्रम दूसरी पारी में नाकाम साबित हुआ और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। भारत की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 88 गेंदों पर चार चौकों की मदद से सर्वाधिक 41 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी ने चार विकेट, ट्रेंट बोल्ट ने तीन विकेट, काइल जैमीसन ने दो विकेट और नील वेग्नर ने एक विकेट लिया। भारत ने सुबह दो विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन कप्तान विराट कोहली (29 गेंदों पर 13 रन) और चेतेश्वर पुजारा (80 गेंदों पर 15 रन) ने रक्षात्मक रवैया अपनाया। जैमीसन ने हालांकि इन दोनों को देर तक नहीं टिकने दिया। दूसरे सत्र में भी उसके बल्लेबाज कुछ करिश्मा नहीं दिखा सके। भारत की पारी में रोहित शर्मा ने 30 रन, शुभमन गिल ने 8, रविंद्र जडेजा ने 15, रविचंद्रन अश्विन ने सात, मोहम्मद शमी ने 13 और जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हुए जबकि ईशांत शर्मा एक रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने अपनी पहली पारी में 217 रन बनाए थे जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 249 रन बनाकर 32 रन की बढ़त हासिल की थी। बारिश के कारण इस मैच में पहले और चौथे दिन एक भी गेंद नहीं डाली जा सकी थी जिससे यह मैच सुरक्षित दिन (छठा दिन) तक खींचना पड़ा।

स्कोर बोर्ड

भारत (पहली पारी) 217

न्यूजीलैंड (पहली पारी) 249

भारत दूसरी पारी (64/2 से आगे)	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
चेतेश्वर पुजारा कै. टेलर बो. जेमिसन	15	80	2	0
विराट कोहली कै. वाटलिंग बो. जेमिसन	13	29	0	0
अजिंक्या रहाणे कै. वाटलिंग बो. बोल्ट	15	40	1	0
ऋषभ पंत कै. हेनरी बो. . बोल्ट	41	88	4	0
रवींद्र जडेजा कै. वाटलिंग बो. वैगनर	16	49	2	0
रविचंद्रन अश्विन कै. टेलर बो. बोल्ट	07	19	0	0
मोहम्मद शमी कै. लाथम बो. साउदी	13	10	3	0
इशांत शर्मा नाबाद	01	06	0	0
जसप्रीत बुमराह कै. लाथम बो. साउदी	00	04	0	0

अतिरिक्त: 11 कुल: 73 ओवर में 170 रन पर आलआउट **विकेट पतन:** 1-24, 2-51 , 3-71, 4-72, 5-109, 6-142, 7-156, 8-156, 9-170, 10-170 **गेंदबाजी:** टिम साउदी 19-4-48-4, ट्रेंट बोल्ट 15-2-39-3, काइल जेमिसन 24-10-30-2, नील वैगनर 15-2-44-1,

न्यूजीलैंड दूसरी पारी	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
टॉम लाथम स्टम्प. पंत बो. अश्विन	09	41	0	0
डेवन कॉनवे पगबाधा अश्विन	19	47	4	0
विलियमसन नाबाद	52	89	8	0
रॉस टेलर नाबाद	47	100	6	0

अतिरिक्त: 13, कुल: 45.5 ओवर में दो विकेट पर 140 रन **विकेट पतन:** 1-33, 2-44, **गेंदबाजी:** इशांत 6.2-2-21-0, शमी 10.5-3-31-0, बुमराह 10.4-2-35-0, अश्विन 10-5-17-2, जडेजा 8-1-25-0,

चोट के बावजूद विदाई टेस्ट में विकेट कीपिंग करने उतरे वाटलिंग

साउथम्पटन। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बीजे वाटलिंग विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के छठे दिन सुबह के सत्र में दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली के चोटिल होने के बावजूद विकेटकीपिंग के लिए उतरे। वाटलिंग का यह विदाई मैच है। वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। हालांकि बल्ले से पहली पारी में वह बुरी तरह फेल साबित हुए थे। मगर दस्तानों से कमाल करते हुए टेस्ट मैचों में सर्वाधिक कैच पकड़ने वाले टॉप-10 विकेटकीपर्स में शामिल हो गए। न्यूजीलैंड की टीम सुबह इस 35 वर्षीय खिलाड़ी की अगुवाई में ही मैदान पर उतरी। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी मैदान पर उन्हें बधाई दी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, बीजे वाटलिंग के दाएं हाथ की अनामिका उंगली पहले सत्र के दौरान चोटिल हो गई थी। लंच के दौरान उन्हें उपचार लेना पड़ा और इसके बाद ही वह मैदान पर उतरे। न्यूजीलैंड के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर बल्लेबाजों में से एक वाटलिंग अपना 75वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं, उन्होंने पहले सत्र में कोहली और उप कप्तान अजिंक्य रहाणे के कैच लिए। न्यूीलैंड की तरफ से साउदी ने 48 रन पर चार विकेट, बोल्ट ने 39 रन पर तीन विकेट, जेमिसन ने 30 रन पर दो विकेट और वाग्नेर ने 44 रन पर एक विकेट लिया।

वाटलिंग ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

वाटलिंग ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पछाड़ दिया। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने आखिरी टेस्ट में जडेजा को 257वां शिकार बनाया, जो नील वैगनर की गेंद पर आउट हुए। वह अब टेस्ट क्रिकेट इतिहास में विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में वाटलिंग सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। धोनी के नाम 166 पारियों में 256 कैच थे। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी मैदान पर उन्हें बधाई दी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने रविचंद्रन अश्विन

टीम इंडिया अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में डेवन कॉनवे का विकेट लेते ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अश्विन पिछले दो साल से खेले जा रहे इस चैंपियनशिप मुकाबले में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस को पीछे छोड़ा है। पैट कमिंस ने डब्ल्यूटीसी मुकाबलों में कुल 70 विकेट लेने का कारनामा किया है। वहीं फाइनल के चौथी पारी में अश्विन ने टॉम लैथम और कॉन्वे का विकेट लेने के साथ ही वह सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में पहले स्थान पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड को आईसीसी के इस महामुकाबले को जीतने के लिए 139 रनों का लक्ष्य मिला।

साउदर्न ब्रेव ने डी कॉक और कॉनवे को किया साइन

हमें दोनों बल्लेबाजों का टीम में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है : जाइल्स व्हाइट

लंदन। इंग्लैंड के पहले द हंड्रेड टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले साउदर्न ब्रेव क्लब ने टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर और मार्कस स्टोइनिस की जगह पर न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे और दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक को विदेशी प्रतिस्थापन के रूप में साइन किया है।

क्लब ने बुधवार को इसकी घोषणा की है। क्लब ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वार्नर और मार्कस स्टॉयनिस, जिन्हें मौजूदा कोरोना महामारी के कारण परस्पर विरोधी शेड्यूल और यात्रा संबंधी चुनौतियों के कारण बाहर होना पड़ा है। क्लब के महाप्रबंधक जाइल्स व्हाइट ने कहा, एक तरफ हम निराश हैं कि डेविड वार्नर और मार्कस स्टॉयनिस हमारी पुरुष टीम के लिए

उपलब्ध नहीं होंगे, वहीं हमें डेवोन कॉनवे और क्विंटन डी कॉक दोनों का टीम में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। वे दोनों क्वॉलिटी क्रिकेटर हैं जो हमारे लिए शीर्ष क्रम में ताकत और उत्साह जोड़ेंगे। हाल ही में अपने टेस्ट पदार्पण में दोहरा शतक लगाने वाले कॉनवे का न्यूजीलैंड के लिए टी-20 क्रिकेट में 59 व वनडे में 75 का औसत है। कॉनवे ने क्लब के साथ अनुबंध के बारे में कहा, मैं साउदर्न ब्रेव में शामिल होने के लिए सच में उत्साहित हूं। मैंने अब तक ब्रिटेन में खेलने के समय का बहुत आनंद लिया है और मैं टीम के साथ जुड़ने और द हंड्रेड के पहले सीजन में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। इस बीच डी कॉक फिर से साउदर्न ब्रेव के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने के साथ जुड़ेंगे, जो आईपीएल में मुंबई इंडियंस की भी उसी क्षमता से सेवा करते हैं। डी कॉक ने कहा, द एजेस बाउल खेलने के लिए एक शानदार मैदान है। मैं इस समर साउदर्न ब्रेव के साथ जुड़ने का इंतजार नहीं कर सकता। मैं महेला के साथ दोबारा काम करने को लेकर भी काफी उत्साहित हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय ओलंपिक दल को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। ओलंपिक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को टोक्यो ओलंपिक में जाने वाले भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं दी। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन पिछले साल होना था लेकिन इसे कोरोना महामारी के कारण 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, ओलंपिक डे के अवसर पर मैं उन सभी की सराहना करता हूं जिन्होंने पिछले कई वर्षों से ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। देश को खेलों में खिलाड़ियों के योगदान और अन्य एथलीटों को प्रेरित करने के इनके प्रयासों पर गर्व है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में टोक्यो ओलंपिक की शुरूआत होनी है। मैं भारतीय दल को जिसमें बेहतरीन एथलीट शामिल हैं इसके लिए इन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं। ओलंपिक से पहले माइ गॉव पर एक क्विज रखा गया है। मैं आप सभी से, विशेष रूप से अपने युवा दोस्तों से इसमें भाग लेने की अपील करता हूं। इस क्विज का लक्ष्य देश के लोगों में ओलंपिक के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा, क्विज पिछले और वर्तमान ओलंपिक और एथलीटों पर आधारित होगी जिसमें कई विकल्पों के साथ प्रश्न पूछे जाएंगे और उपयोगकर्ता को सही विकल्प का चयन करना होगा।

कार्लस्टेड ग्रां प्री में शीर्ष पायदारन पर रहे नीरज

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर चुके भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 80.96 मीटर के औसत प्रदर्शन के साथ मंगलवार को स्वीडन में कार्लस्टेड ग्रां प्री में शीर्ष पायदान पर रहे। चोपड़ा ने पहले प्रयास में 79.07 मीटर दूर भाला फेंका इसके बाद उन्होंने 80.96 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने बाकी तीनों प्रयास में फाउल किया। उन्होंने इससे पहले 10 जून को लगभग एक साल के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करते हुए पुर्तगाल के लिस्बन में 83.18 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण जीता था। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 88.07 मीटर का है।

ओलंपिक की तैयारियों को परखने के लिए विश्वकप में उतरेंगे भारतीय निशानेबाज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्टस महासंघ (आईएसएसएफ) विश्वकप का गुरूवार से आयोजन होगा जिसमें 15 भारतीय निशानेबाज ओलंपिक की तैयारियों को टेस्ट करने के इरादे से उतरेंगे। क्रोएशिया विश्वकप में राइफल, पिस्टल और शॉटगन इवेंट होंगे। भारत ने पिस्टल इवेंट में पांच, राइफल में आठ और स्कीट में दो ओलंपिक कोटा हासिल किए हैं। भारतीय निशानेबाज ओलंपिक की तैयारियों के लिए यूरोप गए थे जहां इन्होंने पिछले महीने यूरोपियन शूटिंग चैंपिनशिप में न्यूनतम क्वॉलीफिकेशनस्कोर वर्ग में हिस्सा लिया था। भारत की हाई परफॉरमेंस राइफल कोच दीपाली देशपांडे ने उस चैंपियनशिप में भारत के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया था।दीपक कुमार, दिव्यांश सिंह पंवार, संजीव राजपूत, एश्वर्य प्रताप तोमर, अपूर्वी चंदेला, अंजुम मुद्गिल, एलावेनिल वलारिवान और तेजस्विनी सावंत ने राइफल शूटिंग इवेंट में ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई किया है।

दक्षिण अफ्रीका ने चुना पहला स्वतंत्र बोर्ड अध्यक्ष

केपटाउन। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने अपना पहला स्वतंत्र बोर्ड अध्यक्ष चुन लिया है। दीर्घकालिक योजना के अनुसार बोर्ड ने लॉसन नायडू को बोर्ड की अध्यक्षता के लिए चुना है। वहीं स्टीवन बुडलेंडर प्रमुख स्वतंत्र निदेशक के रूप में काम करेंगे। सीएसए ने मंगलवार को इसकी घोषणा की है। समझा जाता है कि नायडू यह पद संभालने वाले पहले स्वतंत्र अध्यक्ष हैं, जो पहले प्रांतीय प्रशासकों द्वारा भरा गया है। ये सभी सदस्य परिषद में भी बैठते हैं। वह युग 12 जून को समाप्त हो गया, जब एक बहुमत वाले स्वतंत्र बोर्ड की स्थापना की गई थी।

इंडियन बैंक की कर्मचारी पूजा अग्रवाल ने वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट विश्वकप में दो रजत जीते

नई दिल्ली। इंडियन बैंक की कर्मचारी पूजा अग्रवाल ने पेरू के लीमा में आयोजित वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट विश्व कप में दो सिल्वर मेडल जीते हैं। बैंक ने अपनी कर्मचारी और शार्प पैरा शूटर पूजा अग्रवाल की इस उपलब्धि का जश्न मनाया है। इंडियन बैंक में प्रबंधक के रूप में काम करते हुए पूजा डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में पूर्णत्व शूटिंग अकादमी में अंतरराष्ट्रीय पैरा पिस्टल शूटिंग और वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रशिक्षण करती हैं। यहां सुभाष राणा उन्हें कोचिंग देते हैं। उल्लेखनीय है कि 35 वर्षीय पूजा अतीत में एक दुखद दुर्घटना का शिकार हुई थी और वर्ष 2012 में उन्हें एक त्रिपक्षीय विच्छेदन का सामना करना पड़ा था। उन्होंने वर्ष 2014 में बैंक में शामिल होने के बाद वर्ष 2016 में शूटिंग शुरू की थी। तब से वह सभी चुनौतियों को हराकर एक विशेष रूप से सक्षम शार्प शूटर के रूप में प्रेरणादायक यात्रा का नेतृत्व कर रही हैं।पूजा अग्रवाल का खेल जुनून निशानेबाजी-10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1ए) है और वह पैरा निशानेबाजों में दुनिया में 12वें और एशिया में 11वें स्थान पर हैं। 2017 में पूजा ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के लिए यूएई के अल ऐन में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट विश्व कप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जीता था। इसी वर्ष उन्होंने 61वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप 2017 में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक भी जीता था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर बने जडेजा

रविचंद्रन अश्विन 353 अंक के साथ चौथे स्थान पर

दुबई। भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को शीर्ष से हटा दिया। जडेजा अब होल्डर (384 अंक) से दो अंक आगे हैं जबकि इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स 377 अंक से तीसरे स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय रविचंद्रन अश्विन 353 अंक से चौथे स्थान पर हैं जिनके बाद बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (338) का नंबर आता है। अश्विन गेंदबाजों की रैंकिंग में 850 अंक लेकर दूसरे स्थान पर बरकरार हैं, वह ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस (908) से पीछे हैं। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत फिर से टॉप 10 में पहुंच गए हैं। वह पिछले 18 महीनों में पहली बार टॉप 10 में पहुंचे हैं। ताजा रैंकिंग में बाएं हाथ के एक और बल्लेबाज कप्तान डीन एल्गर ने 77 रन की अपनी शानदार पारी से एक स्थान का सुधार किया है और वह 19 वें स्थान पर पहुंच गए हैं रैसी वान डेर डुसेन दूसरी पारी में नाबाद 75 रन बनाने की बदौलत 31 स्थान की लम्बी छलांग लगाकर 43वें नंबर पर पहुंच गए हैं। मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा एक स्थान उठकर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस बीच दूसरी पारी के दौरान 61 वर्ष बाद दक्षिण अफ्रीका के लिए पहली टेस्ट हैट्रिक लेने वाले स्पिनर केशव महाराज सात विकेट लेने के प्रदर्शन की बदौलत तीन स्थानों के फायदे के साथ 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद इस धुरंधर ने लिया संन्यास, कहा क्रिकेट को अलविदा

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम आइसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी को जीतने वाली पहली टीम बन गई है। भारत के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में 8 विकेट की दमदार जीत के साथ कीवी टीम ने इतिहास रचा। भारतीय टीम दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की सधी गेंदबाजी के आगे महज 170 रन ही ही ढेर हो गई थी। 139 रन के आसान लक्ष्य को टीम ने 45.5 ओवर में महज 2 विकेट गंवाकर हासिल किया और इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

टीम की यह जीत अनुभवी विकेटकीपर बीजे वॉटलिंग के लिए यादगार रही क्योंकि यह उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच था। भारत के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उतरने से पहले वॉटलिंग ने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने यह कह दिया थी कि भारत के खिलाफ आइसीसी का यह मुकाबला उनके जीवन का आखिरी मुकाबला होने वाला है।

मैच के बाद वॉटलिंग ने कहा, यह हमारी टीम द्वारा लंबे समय तक की गई मेहनत का नतीजा है। जीत को हासिल करना बहुत ही ज्यादा खास

एहसास है।

ऐसी विकेट पर इस लक्ष्य को हासिल करना वो भी हमारे दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों द्वारा बहुत ही ज्यादा कमाल रहा। मैंने ऐसा कभी भी नहीं सोचा था कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन की ट्रॉफी का विजेता बनकर करियर का अंत करूंगा। मेरे परिवार के सभी लोग मेरी मां, पत्नी जेसी और मेरे दो बच्चे हमेशा ही बुरे वक्त में मेरे साथ खड़ी रही। इन सभी तो मैं धन्यवाद कहना चाहूंगा। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वॉटलिन ने टेस्ट मैच में विकेट के पीछे न्यूजीलैंड के लिए रिकॉर्ड 257 शिकार किए हैं, जिसमें आठ स्टंपिंग भी शामिल हैं। उन्होंने 75 टेस्ट में 37.52 के औसत से आठ शतक और 19 अर्धशतक के साथ 3,790 रन बनाए। 2019 में माउंट माउंगानुई में इंग्लैंड के खिलाफ 205 रन उनका उच्चतम स्कोर है।

मोडरिच के शानदार गोल से क्रोएशिया का अंतिम-16 में प्रवेश

यूरो 2020 : स्कॉटलैंड को 3-1 से शिकस्त दी

ग्लास्गो। अपनी आखिरी यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप खेल रहे कप्तान लुका मोडरिच के शानदार गोल की मदद से क्रोएशिया ने स्कॉटलैंड को 3-1 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। पैंतीस वर्ष के मोडरिच ने 62वें मिनट में गोल किया ।

इस जीत के साथ क्रोएशिया ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहा और उसका सामना सोमवार को कोपेनहेगन में ग्रुप ई के उपविजेता से होगा। तीन साल पहले फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए मोडरिच ने टीम के तीसरे गोल में भी सूत्रधार की भूमिका निभाई। वह अब यूरोपीय चैम्पियनशिप में गोल करने वाले सबसे युवा और सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 22 वर्ष की उम्र में 2008 में आस्ट्रिया के खिलाफ गोल किया था और इस बार गोल करते समय उनकी उम्र 35 वर्ष 286 दिन थी। क्रोएशिया के लिये बाकी दो गोल विंगर निकोला व्लासिच और इवान पेरिसिच ने किए।

यूरो 2020: इंग्लैंड ने चेक को हराया

लंदन। रहीम स्टर्लिंग के गोल की मदद से इंग्लैंड ने यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में चेक गणराज्य को 1-0 से हरा दिया। दोनों टीमें पहले ही अंतिम 16 में जगह पक्की कर चुकी हैं। इंग्लैंड के कोच जेरेथ साउथगेट ने कहा, हमारा हमेशा से मानना था कि हैरी केन पर से गोल करने का बोझ कम किया जाना चाहिए। केन क्रोएशिया और स्कॉटलैंड के खिलाफ गोल नहीं कर सके। यहां उन्होंने गोल पर पहला शॉट लगाया। इंग्लैंड को अब एक सप्ताह बाद ग्रुप एफ के उपविजेता से खेलना है जो फ्रांस, पुर्तगाल, जर्मनी या हंगरी में से कोई भी हो सकता है। उस मैच में 45000 दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति रहेगी।